RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:274 ता. 21 अप्रेल 2024, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

कश्मीर की तीनों सीटों से भाजपा नहीं उतारे अपने उम्मीदवार

श्रीनगर । आशा के विपरीत भाजपा ने कश्मीर घाटी के तीन लोकसभा क्षेत्र से अपने उम्मीदवार नहीं उतारे हैं। भाजपा ने स्थानीय पार्टी के नेताओं को ही प्रत्याशी बनाया है। पहली बार है, जब भारतीय जनता पार्टी घाटी में अपना उम्मीदवार चुनाव मैदान में नहीं उतार रही है। माना जा रहा था, धारा 370 समाप्त होने के बाद लोकसभा की तीनों सीटों पर भाजपा अपने उम्मीदवार खड़ा करेगी। कई वर्षों से कश्मीर घाटी की सत्ता केंद्र सरकार के पास है। लेकिन बदली हुई परिस्थितियों में भी उसने अनंतनाग, बारामूला और श्रीनगर से अपना कोई उम्मीदवार नहीं उतारा। अभी तीनों लोकसभा सीट नेशनल कांफ्रेंस के पास है। जम्मू की दो सीट भाजपा के पास हैं। इस बार भी जम्मू के लोकसभा क्षेत्र से भाजपा ने अपने प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारे हैं। धारा 370 समाप्त करने और इतने सारे राजनीतिक प्रयोग करने के बाद भी लगता है, कश्मीर घाटी में भाजपा को कुछ हासिल नहीं हुआ। भाजपा ने घाटी से अपने कदम पीछे हटा लिए हैं।

दिल्ली भाजपा का मंदिर प्रकोष्ठ रविवार को हिंदू नववर्ष उत्सव मनाएगा

नई दिल्ली । दिल्ली भाजपा का मंदिर प्रकोष्ठ रविवार को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में हिंदू नववर्ष उत्सव मनाएगा। इसमें देश के 31 महामंडलेश्वर सहित हजारों संत-महात्मा शामिल होंगे। शुक्रवार को साथ ही प्रसिद्ध गायक हंसराज रघुवंशी सहित 35000 से अधिक सनातनी शिरकत करेंगे। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष के वीरेंद्र सचदेवा सहित कई केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता भी शामिल होंगे। मंदिर प्रकोष्ठ के संयोजक करनैल सिंह ने मीडिया को बताया कि दिल्ली ही नहीं बल्कि देशभर में शुक्रवार को क्रिसमस डे आदि पर्व मनाए जाते हैं। इस कारण लोगों को हिंदू नववर्ष को भी मनाना चाहिए। लिहाजा प्रदेश भाजपा अब हर साल हिंदू नववर्ष का कार्यक्रम धूमधाम से मनाएगी। इस दौरान प्रदेश प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अपनी संस्कृति के बारे में आने वाले युवाओं को जागरूक करना है।

दिल्ली में भाजपा की टीमें नुक्कड़ नाटक कर करेंगी चुनाव प्रचार

नई दिल्ली। दिल्ली में भाजपा की 163 टीमें 1 से 23 मई तक सातों सीटों पर 8000 नुक्कड़ नाटक से प्रचार करेंगी। ये टीमें शहरी इलाके में अंग्रेजी व अनधिकृत कॉलोनियों में प्रादेशिक भाषाओं में प्रधानमंत्री के विकास के संदेश व केजरीवाल सरकार की कमियों से जनता को रूबरू कराएंगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पार्टी कार्यालय के बाहर नुक्कड़ नाटक का ट्रॉयल भी देखा। इस दौरान चुनाव संचालन समिति प्रमुख अजय महावर, सह प्रमुख योगिता सिंह एवं गजेंद्र यादव, मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर एवं विक्रम मित्तल के अलावा नुक्कड़ नाटक समिति के प्रमुख सदस्य अनुज शर्मा के साथ ही पार्टी पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इस मौके पर सचदेवा ने बताया कि नुक्कड़ नाटकों के साथ ही पपेट शो, मैजिक शो, कवि गोष्ठी, म्यूजिक बैंड और फ्लैश मॉब से मोदी सरकार की जनहितकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को जनता के बीच ले जाया जाएगा। इसके अलावा केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार की भी पोल खोली जाएगी। नाटकों के कुछ शो अंग्रेजी एवं प्रादेशिक भाषाओं में भी होंगे। यह सांस्कृतिक अभियान एक मई को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में प्रारंभ होगा। इससे पहले 21 अप्रैल को आईजी स्टेडियम में मंदिर प्रकोष्ठ के माध्यम से एक कार्यक्रम होगा। इसमें भजन गायक हंसराज रघुवंशी प्रस्तुति देंगे और लोगों को विकसित भारत का संदेश दिया जाएगा।

संघ के खिलाफ बयान देकर फंसे संजय सिंह, चुनाव आयोग से शिकायत

नई दिल्ली। आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हाल ही में जमानत पर बाहर आए आम आदमी पार्टी नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि संघ के पूर्व सह सरकार्यवाह मनमोहन वैद्य ने आरक्षण को खत्म करने की बात कही है, संघ आरक्षण विरोधी है। संजय सिंह संघ परिवार के निशाने पर आ गए हैं। उनके खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत की है। राज्यसभा सांसद संजय सिंह अपने पक्ष को मजबूत दिखाने के लिए संघ के पूर्व सह सरकार्यवाह मनमोहन वैद्य का एक पुराना वीडियो भी चलाया। जिस पर विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि आप नेता संजय सिंह बयानों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत कर रहे हैं और देश की जनता को गुमराह कर रहे हैं। इस मामले में बंसल ने चुनाव आयोग से संजय सिंह की शिकायत भी की है। विनोद बंसल ने ट्वीट कर कहा कि लगता है बेल पर छूटे झूठे नेता संजय सिंह फिर जेल जाने की जल्दी में हैं! इस बार उन्होंने अपनी गंदी जुबान से जिस पर कीचड़ उछला है वह विश्व का सबसे बड़ा संगठन है। संजय सिंह और आम आदमी पार्टी ने माफी नहीं मांगी तो दिल्ली की जनता भी उन्हें नहीं छोड़ेगी। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 2 अप्रैल को ईडी द्वारा रियायत दिए जाने के बाद दिल्ली शराब नीति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह को जमानत दे दी। हाल ही में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को भी ईडी ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

26 को वायनाड में मतदान के बाद अमेठी-रायबरेली पर पत्ते खोलेगी कांग्रेस

लखनऊ ।

केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर 26 अप्रैल को और अमेठी में 20 मई को पांचवें चरण में मतदान होना है। दूसरे चरण और पांचवें चरण के बीच 24 दिनों का अंतराल गांधी परिवार के लिए सियासी रूप से बहुत चौकानें वाला हो सकता है। संभावना हैं कि वायनाड के मौजूदा और अमेठी के पूर्व सांसद राहुल गांधी वायनाड में 26 अप्रैल को मतदान होने के बाद अमेठी से चुनाव लड़ने की घोषणा कर सकते हैं। इसकी हवा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी दी है। महाराष्ट्र के नांदेड में रैली को संबोधित कर पीएम मोदी ने कहा कि राहुल गांधी पहले अमेठी छोड़कर केरल के वायनाड गए, अब उन्हें वायनाड से भी हार का डर सता रहा है। इसके लिए शहजादा अब वायनाड छोड़कर दूसरी सेफ सीट ढूंढ रहा हैं। वैसे मोदी ने इसके साथ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर भी निशाना साधा था। जहां कांग्रेस पार्टी सूत्रों के अनुसार भी राहुल गांधी अमेठी से प्रत्याशी हो सकते हैं। पार्टी की ओर से इस बारे में संकेत दिया गया। सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी आगामी 26 अप्रैल के बाद अमेठी सीट से अपना नामांकन दाखिल कर सकते है। तब तक दूसरे चरण में वायनाड में मतदान हो चुका होगा, जहां से वह अभी पार्टी प्रत्याशी हैं। पार्टी का मानना है कि अब भी गांधी परिवार को इन परंपरागत सीटों पर अधिक प्रचार की आवश्यकता नहीं है। शायद इसकारण अब तक पार्टी ने दोनों ही सीटों पर अपने पत्ते खोलने से परहेज किया है।

उधर, कुछ दिनों पूर्व अखिलेश के साथ प्रेसवार्ता में राहुल गांधी ने गोलमोल जबाव देकर सस्पेंस बरकरार रखा था। अमेठी से चुनाव लड़ने पर राहुल गांधी ने कहा कि यह पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति का अधिकार क्षेत्र है और वह इसके फैसले का पालन करुंगा। जबकि भाजपा ने स्मृति ईरानी को अमेठी सीट से फिर से उम्मीदवार बनाया है।

पहले चरण का मतदान देखकर राजनैतिक दलों ने बदली अपनी रणनीति

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव का पहला चरण बीते रोज पूरा हो गया है। 21 राज्यों की 102 सीटों पर हुए मतदान के आंकड़े को देखकर कई राजनैतिक दलों ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। मतदाताओं के पिछली बार की तुलना में कम उत्साह से राजनीतिक दलों में चिंतन-मंथन का दौर शुरू हो गया है। सत्तारूढ़ भाजपा आगे के चरणों की तैयारी में जुट गई है। आने वाले चरणों में पार्टी की कोशिश ज्यादा मतदान कराने की होगी ताकि वह बड़े लक्ष्य को हासिल कर सके। इसके साथ ही इस चरण के चुनाव में उतरे पार्टी के प्रमुख नेता अब बाकी देश में प्रचार और प्रबंधन का काम संभालेंगे।भाजपा सूत्रों का कहना है कि हर क्षेत्र के मतदान के पूरे आंकड़े आने पर पार्टी इस पर मंथन करेगी और आगे की रणनीति तय करेगी। इससे पार्टी का प्रचार अभियान और सघन होगा और नेताओं के दौरे भी बढ़ेंगे। साथ ही अगले चरण में जिन प्रमुख नेताओं का चुनाव है वह अब खुद के क्षेत्र पर ज्यादा ध्यान देंगे।जानकारी के अनुसार मतदान के तुरंत बाद राजनीतिक दल इसके नफा नुकसान के आकलन में जुट गए हैं। भाजपा के लिए यह उसकी उम्मीद से कम मतदान है। हालांकि पार्टी का यह भी मानना है कि जब तुलनात्मक कम मतदान होता है तो वह सत्तारूढ़ दल के पक्ष में होता है क्योंकि बहुत ज्यादा मतदान में सरकार से नाराजगी का भी का मुद्दा रह सकता है या फिर सरकार और उसके एजेंडे को और ज्यादा मजबूत करना हो सकता है।सात चरणों के लोकसभा चुनाव का पहला और सबसे बड़ा 102 सीटों को पहला चरण शुक्रवार को पूरा हो गया। चुनाव आयोग के शुरुआती आकलन के अनुसार साठ फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 69.43 प्रतिशत वोट पड़े थे। इस बार पहले चरण के मतदान के पूरे आंकड़े आने पर यह 60 फीसदी से कुछ ऊपर रहेगा, लेकिन पिछले आम चुनाव के पहले चरण से कम ही रहेगा।

जैसे अमेठी छोड़ा, वैसे अब वायनाड छोड़कर भागेगा शहजादा : पीएम मोदी

हार के डर से सोनिया गांधी राज्यसभा पहुंच गई

मुंबई ।

लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण में शुक्रवार को 21 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 102 सीटों पर मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। अब दूसरे चरण के लिए चुनाव प्रचार जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

शनिवार को महाराष्ट्र के नांदेड़ में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज कसा। पीएम मोदी ने कहा कि राहुल गांधी पहले अमेठी छोड़कर केरल के वायनाड गए, अब उन्हें वायनाड से भी हार का डर सता रहा है। इसके लिए शहजादा अब वायनाड छोड़कर दूसरी सेफ सीट ढूंढ रहा हैं। वैसे मोदी ने इसके साथ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर भी निशाना साधा था। पीएम मोदी ने कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी पर तंज कसते हुए पीएम मोदी ने कहा वह राज्यसभा के रास्ते संसद पहुंच गए। पीएम मोदी ने कहा कि शुक्रवार को देश में पहले चरण का मतदान संपन्न हुआ है। मैं वोटिंग करने वाले सभी लोगों को, विशेषकर हमारे पहली बार वोट दे रहे लोगों को बहुत बहुत बधाई देकर उनका आभार व्यक्त करता हूं। मतदान के बाद अलग-अलग लोगों ने बूथ लेवल तक का जो विश्लेषण किया और जो जानकारियां मिल रही हैं, उससे ये विश्वास पक्का हो रहा है कि पहले चरण में एनडीए के पक्ष में एकतरफा मतदान हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि आने वाले 25 साल विश्व में भारत के महात्म्य के वर्ष हैं। इसलिए अधिक मतदान हमारी लोकतांत्रिक ताकत का परिचय दे रहा है। वोटर भी देख रहे हैं कि कैसे इंडी अलायंस के लोग अपने स्वार्थ में, अपने भ्रष्टाचार को बचाने के लिए एक साथ आए हैं। इसकारण खबर हैं कि पहले चरण में मतदाताओं ने घमड़िया गठबंधन को पूरी तरह नकार दिया है। ये लोग दावें जो भी करें, लेकिन सच्चाई यही है कि चुनाव की घोषणा से पहले से ही कांग्रेस के नेता अपनी हार मान चुके हैं। इसकारण कुछ नेता, जो लगातार लोकसभा में जीतकर आते थे, इसबार वे राज्य सभा के रास्ते से अंदर जाकर बैठ गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस गरीब, दलित, वंचित, मजदूर, किसान के विकास के सामने हमेशा दीवार बनकर खड़ी रही है। आज एनडीए सरकार गरीब के लिए कोई काम करती है, तब कांग्रेस उसका मजाक उड़ाती है। कांग्रेस ने दशकों तक महाराष्ट्र और खासकर विदर्भ एवं मराठवाड़ा के विकास का दम घोंटने का काम किया है। कांग्रेस के रवैये के कारण यहां किसान गरीब होते गए, उद्योगों से जुड़ी संभावनाएं खत्म होती चली गई, लाखों युवाओं को पलायन करना पड़ा।

गांधीनगर सीट पर अमित शाह के खिलाफ 9 निर्दलीय समेत 11 मुस्लिम उम्मीदवार चुनाव मैदान में

अहमदाबाद . केन्द्रीय गृह मंत्री और भाजपा उम्मीदवार अमित शाह ने बीते दिन गुजरात की गांधीनगर लोकसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल कर दिया है. अमित शाह के खिलाफ कांग्रेस ने पाटीदार समाज की सोनल पटेल को चुनाव मैदान में उतारा है. गांधीनगर सीट पर अमित शाह के खिलाफ 9 निर्दलीयों समेत 11 मुस्लिम उम्मीदवारों ने भी पर्चा भरा है. इन 11 उम्मीदवारों में मोहमद अवेश धनवान भारत पार्टी से और मोहमद दानिश बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार हैं. अन्य 9 निर्दलीय उम्मीदवारों में दीन मोहमद सैयद, उमिया अलीभाई, बहादुर शाह गुल मोहमद, मेहबूब रंगरेज, मकबूल साकिब मलिक, इम्तियाज खान पठान, शाहनवाज खान, नवसाद आलम मलिक और तनवीरूद्दीन इलमुद्दीन शेख शामिल हैं. गुजरात की गांधीनगर सीट भाजपा का गढ़ रही है, जहां से पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी और उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी सांसद रह चुके हैं. वर्ष 2019 के चुनाव में अमित शाह गांधीनगर सीट से पहली बार चुनाव जीतकर संसद पहुंचे. शुक्रवार को अमित शाह ने गांधीनगर से अपना नामांकन दाखिल कर दिया. इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी समेत भाजपा विधायक मौजूद रहे. वहीं कांग्रेस ने अमित शाह के खिलाफ एआईसीसी की सचिव और मुंबई व पश्चिमी महाराष्ट्र की पार्टी की सह प्रभारी सोनल पटेल को मैदान में उतारा है. बता दें कि गांधीनगर भाजपा के लिए सबसे सुरक्षित सीटों में से एक है.

सिसोदिया की जमानत अर्जी का विरोध कर सीबीआई ने कहा, वे घोटाले के मास्टरमांइड

कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

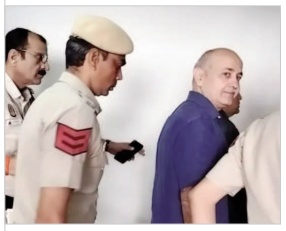

नई दिल्ली ।

दिल्ली शराब घोटाला मामले में शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की अर्जी पर सुनवाई हुई। सीबीआई ने सिसोदिया की जमानत अर्जी का पुरजोर विरोध करते हुए उन्हें घोटाले का मास्टरमाइंड और किंगपिन करार दिया। जांच एजेंसी की दलीलों को सुनने के बाद ट्रायल कोर्ट ने सिसोदिया की जमानत अर्जी पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अब अदालत 30 अप्रैल को फैसला सुनाएगी। दिल्ली की निरस्त आबकारी नीति मामले में सिसोदिया महीनों से जेल में बंद हैं। सिसोदिया ने लोकसभा चुनाव में प्रचार में शामिल होने की मांग करते हुए ट्रायल कोर्ट में अंतरिम जमानत की अर्जी दाखिल की थी। सिसोदिया के वकील ने कहा कि अब अदालत नियमित जमानत पर फैसला सुरक्षित कर चुकी है, इसकारण अंतरिम जमानत की याचिका वापस ले रहे हैं। दूसरी ओर, सीबीआई ने सिसौदिया की नियमित जमानत अर्जी का विरोध कर कहा कि उन्हें जमानत नहीं दी जानी चाहिए। सीबीआई ने उन्हें शराब घोटाले का मास्टरमाइंड बताया। सिसोदिया फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। सिसोदिया की नियमित जमानत याचिका पर शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। सीबीआई ने कहा कि सिसोदिया घोटाले के किंगपिन हैं, इसलिए इन्हें जमानत नहीं दी जानी चाहिए। जांच एजेंसी ने दलील दी कि जमानत दी गई तब सिसोदिया सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं। सीबीआई ने कहा कि सिसोदिया किंगपिन हैं, वह मास्टरमाइंड हैं। फिलहाल इस मामले की जांच चल रही है।

केरल के सीएम पिनाराई विजयन का राहुल गांधी के बयान पर पलटवार

हम जेल से नहीं डरते, हमें जांच और जेल से धमकाने की कोशिश मत कीजिए

कोझिकोड।

केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि ऐसा क्यों है कि ईडी ने उनसे पूछताछ या गिरफ्तारी नहीं की। इससे एक दिन पहले, राहुल ने विजयन पर निशाना साधते हुए कहा था कि जब वह भाजपा के खिलाफ लड़ रहे हैं तो केरल के सीएम विजयन उन पर हमले क्यों कर रहे हैं। राहुल ने यह भी कहा था कि ईडी ने उनसे 55 घंटे तक पूछताछ की थी, उनकी लोकसभा सदस्यता और घर भी छीन लिया और वर्तमान में विपक्ष के दो मुख्यमंत्री जेल में बंद है, लेकिन केरल के सीएम विजयन के साथ ऐसा कुछ भी नहीं हुआ।

केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने कोझिकोड की एक चुनावी जनसभा में राहुल गांधी पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की दादी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौरान उनको और वामपंथी नेताओं को जेल में डाल दिया था। विजयन ने कहा आपकी दादी ने हममें से ज्यादातर लोगों को डेढ़ साल से अधिक समय तक जेल में रखा था। विजयन ने कहा हमने पूछताछ और जेल जाने का अनुभव किया है और देखा है। हम जेल से नहीं डरते हैं। इसलिए हमें जांच और जेल से धमकाने की कोशिश मत कीजिए। विजयन ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण का हवाला देते हुए तंज कसा कि हम वामपंथी नेता अशोक चव्हाण की तरह रोने वाले नहीं हैं और यह नहीं कहते हैं कि हम जेल नहीं जा सकते। उन्होंने प्रियंका गांधी पर भी हमला बोला और उनके पति रॉबर्ट वाद्रा और एक रियल एस्टेट कंपनी से संबंधित चुनावी बॉण्ड के मुद्दे का उल्लेख किया। विजयन ने कहा कि प्रियंका गांधी के पति के खिलाफ आरोप और मामले थे, लेकिन कंपनी द्वारा 2019-2022 के दौरान भाजपा को चुनावी बॉण्ड के रूप में 170 करोड़ रुपये दिए जाने के बाद वे खत्म हो गए। राहुल गांधी और राज्य के 17 यूडीएफ सांसदों पर तीखा हमला करते हुए विजयन ने कहा कि उनमें से किसी ने भी संसद में केरल के अधिकारों के लिए आवाज नहीं उठाई।

नागालैंड में अलग राज्य की मांग के चलते किसी ने नहीं डाला वोट

कोहिमा।

पूर्वी नागालैंड के छह जिलों में अलग से राज्य बनाने की मांग लंबे समय से उठ रही है। नागा संगठनों द्वारा चुनाव से दूर रहने के आह्वान के कारण क्षेत्र के लगभग चार लाख मतदाताओं में से कोई भी नहीं आया। अन्य जगहों पर, राज्य की एकमात्र लोकसभा सीट के लिए शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के तहत हुए मतदान में लगभग 57 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। नागा निकायों द्वारा गुरुवार शाम से अनिश्चितकालीन बंद के आह्वान के बावजूद, चुनाव आयोग ने राज्य के 60 विधानसभा क्षेत्रों में से 20 को कवर करने वाले छह जिलों में मतदान कराने के लिए सभी प्रयास किए। पूर्वी नागालैंड क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले 20 विधायकों ने भी छह जिलों की सात जनजातियों की शीर्ष संस्था ईस्टर्न नागालैंड पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (ईएनपीओ) के मतदान से दूर रहने के आह्वान का जवाब देते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया।ईएनपीओ को कारण बताओ नोटिस में, नागालैंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी आर व्यासन ने आदिवासी निकाय द्वारा दिए गए विरोध आह्वान के लिए भारतीय दंड संहिता के तहत उचित कार्रवाई करने का संकेत दिया है। इस बीच, तौफेमा में अपना वोट डालने के बाद नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने कहा कि राज्य सरकार ने पूर्वी नागालैंड और उसके लोगों के विकास के लिए एक स्वायत्त निकाय के गठन का प्रस्ताव दिया है। मुख्यमंत्री ने मीडिया को बताया, चुनाव आयोग ने लोगों को मतदान से दूर रहने का आह्वान करने के लिए ईएनपीओ को कारण बताओ नोटिस दिया है।रियो ने यह भी कहा कि उन्होंने फ्रंटियर नागालैंड टेरिटरी के लिए ड्राफ्ट वर्किंग पेपर स्वीकार कर लिया है, जो उन्हें पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में सौंपा गया था।ईएनपीओ ने अपने फ्रंटियर नागालैंड टेरिटरी या अलग राज्य की मांग के समर्थन में पहले लोगों से छह पूर्वी नागालैंड जिलों - मोन, तुएनसांग, लॉन्गलेंग, किफिरे, शामतोर और नोकलाक में मतदान से दूर रहने का आग्रह किया था।

ईएनपीओ ने पूर्वी नागालैंड के 20 विधायकों से भी किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए शुक्रवार को घर के अंदर रहने का आग्रह किया था।सात पिछड़ी जनजातियां - चांग, खिआमनियुंगन, कोन्याक, फोम, तिखिर, संगतम और यिमखिउंग - पूर्वी नागालैंड के इन छह जिलों में रहती हैं।नागालैंड सरकार,

मुख्यमंत्री रियो, उप मुख्यमंत्री यानथुंगो पैटन और पूर्वी नागालैंड विधायक संघ (ईएनएलयू) ने पहले अलग से ईएनपीओ से चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने का आग्रह किया था।नागालैंड की एकमात्र लोकसभा सीट पर कांग्रेस के एस। सुपोंगमेरेन जमीर, सत्तारूढ़ एनडीपीपी के उम्मीदवार चुम्बेन मरी और एक स्वतंत्र उम्मीदवार हेइथुंग तुंगो लोथा चुनाव लड़ रहे हैं।

पंजाब में दो मंजिला मकान गिरा, पांच मजूदर दबे, तीन की मौत

रूपनगर। पंजाब में रूपनगर में एक बड़ा हादसा हुआ जहां एक मकान में काम कर रहे मजदूर मकान गिरने से दब गए जिसमें तीन मजूदरों की मौत हो गई। एक मजदूर के अभी दबे होने की आशंका है। मजदूर को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बचाव-अभियान जारी है। जानकारी के मुताबिक पंजाब में रूपनगर जिले की प्रीत कॉलोनी में दो मंजिला मकान ढह जाने से तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक अभी भी मलबे में फंसा हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मलबे में फंसे मजदूर को बाहर निकालने के लिए दूसरे दिन भी बचाव-अभियान जारी है। यह घटना गुरुवार को उस वक्त हुई जब मजदूर मकान का लेंटर ऊंचा कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि इस मामले में ठेकेदार को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि मकान मालिक फरार है। रूपनगर के एसएसपी गुलनीत सिंह खुराना ने बताया कि मकान ढहने से कुल पांच मजदूर मलबे में दब गये थे, जिसमें से तीन की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि जब मजदूरों को बाहर निकाला गया, तो दो की मौके पर ही मौत हो चुकी थी, जबकि एक अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। एक मजदूर का अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि एक मजदूर अभी भी मलबे में फंसा हुआ है और उसे बाहर निकालने के प्रयास किये जा रहे हैं। एसएसपी ने बताया कि हरियाणा के एक ठेकेदार ने मजदूरों को इस काम पर लगाया था। जब इमारत गिरी तो जोर से धमाके की आवाज सुनाई दी। घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ठेकेदार को गिरफ्तार कर लिया गया और पुलिस घटना की गहन जांच कर रही है। मकान ढहने की सूचना मिलने के बाद एनडीआरएफ और एसडीआरएफ, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, पंजाब पुलिस और दमकल विभाग की गाड़ियां घटनास्थल पर बचाव-अभियान के लिए पहुंची गई।

दिल्ली में भाजपा की टीमें नुक्कड़ नाटक कर करेंगी चुनाव प्रचार

नई दिल्ली। दिल्ली में भाजपा की 163 टीमें 1 से 23 मई तक सातों सीटों पर 8000 नुक्कड़ नाटक से प्रचार करेंगी। ये टीमें शहरी इलाके में अंग्रेजी व अनधिकृत कॉलोनियों में प्रादेशिक भाषाओं में प्रधानमंत्री के विकास के संदेश व केजरीवाल सरकार की कमियों से जनता को रूबरू कराएंगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पार्टी कार्यालय के बाहर नुक्कड़ नाटक का ट्रॉयल भी देखा। इस दौरान चुनाव संचालन समिति प्रमुख अजय महावर, सह प्रमुख योगिता सिंह एवं गजेंद्र यादव, मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर एवं विक्रम मित्तल के अलावा नुक्कड़ नाटक समिति के प्रमुख सदस्य अनुज शर्मा के साथ ही पार्टी पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इस मौके पर सचदेवा ने बताया कि नुक्कड़ नाटकों के साथ ही पपेट शो, मैजिक शो, कवि गोष्ठी, म्यूजिक बैंड और फ्लैश मॉब से मोदी सरकार की जनहितकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को जनता के बीच ले जाया जाएगा। इसके अलावा केजरीवाल सरकार के भ्रष्टाचार की भी पोल खोली जाएगी। नाटकों के कुछ शो अंग्रेजी एवं प्रादेशिक भाषाओं में भी होंगे। यह सांस्कृतिक अभियान एक मई को पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में प्रारंभ होगा। इससे पहले 21 अप्रैल को आईजी स्टेडियम में मंदिर प्रकोष्ठ के माध्यम से एक कार्यक्रम होगा। इसमें भजन गायक हंसराज रघुवंशी प्रस्तुति देंगे और लोगों को विकसित भारत का संदेश दिया जाएगा।

संघ के खिलाफ बयान देकर फंसे संजय सिंह, चुनाव आयोग से शिकायत

नई दिल्ली। आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हाल ही में जमानत पर बाहर आए आम आदमी पार्टी नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने पत्रकार वार्ता में आरोप लगाया कि संघ के पूर्व सह सरकार्यवाह मनमोहन वैद्य ने आरक्षण को खत्म करने की बात कही है, संघ आरक्षण विरोधी है। संजय सिंह संघ परिवार के निशाने पर आ गए हैं। उनके खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत की है। राज्यसभा सांसद संजय सिंह अपने पक्ष को मजबूत दिखाने के लिए संघ के पूर्व सह सरकार्यवाह मनमोहन वैद्य का एक पुराना वीडियो भी चलाया। जिस पर विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि आप नेता संजय सिंह बयानों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत कर रहे हैं और देश की जनता को गुमराह कर रहे हैं। इस मामले में बंसल ने चुनाव आयोग से संजय सिंह की शिकायत भी की है। विनोद बंसल ने ट्वीट कर कहा कि लगता है बेल पर छूटे झूठे नेता संजय सिंह फिर जेल जाने की जल्दी में हैं! इस बार उन्होंने अपनी गंदी जुबान से जिस पर कीचड़ उछला है वह विश्व का सबसे बड़ा संगठन है। संजय सिंह और आम आदमी पार्टी ने माफी नहीं मांगी तो दिल्ली की जनता भी उन्हें नहीं छोड़ेगी। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 2 अप्रैल को ईडी द्वारा रियायत दिए जाने के बाद दिल्ली शराब नीति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह को जमानत दे दी। हाल ही में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को भी ईडी ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। इस मामले में मनीष सिसोदिया भी न्यायिक हिरासत में हैं।

नागालैंड में अलग राज्य की मांग के चलते किसी ने नहीं डाला वोट

कोहिमा। पूर्वी नागालैंड के छह जिलों में अलग से राज्य बनाने की मांग लंबे समय से उठ रही है। नागा संगठनों द्वारा चुनाव से दूर रहने के आह्वान के कारण क्षेत्र के लगभग चार लाख मतदाताओं में से कोई भी नहीं आया। अन्य जगहों पर, राज्य की एकमात्र लोकसभा सीट के लिए शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के तहत हुए मतदान में लगभग 57 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। नागा निकायों द्वारा गुरुवार शाम से अनिश्चितकालीन बंद के आह्वान के बावजूद, चुनाव आयोग ने राज्य के 60 विधानसभा क्षेत्रों में से 20 को कवर करने वाले छह जिलों में मतदान कराने के लिए सभी प्रयास किए। पूर्वी नागालैंड क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले 20 विधायकों ने भी छह जिलों की सात जनजातियों की शीर्ष संस्था ईस्टर्न नागालैंड पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (ईएनपीओ) के मतदान से दूर रहने के आह्वान का जवाब देते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया।ईएनपीओ को कारण बताओ नोटिस में, नागालैंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी आर व्यासन ने आदिवासी निकाय द्वारा दिए गए विरोध आह्वान के लिए भारतीय दंड संहिता के तहत उचित कार्रवाई करने का संकेत दिया है।

सलमान खान ने दुबई से वीडियो शेयर किया, बोले- फायरिंग पर कुछ नहीं बोलूंगा...

मुंबई। मशहूर फिल्म अभिनेता सलमान की सुरक्षा को लेकर उनके फैंस काफी चिंतित है। बीते रोज बुलट प्रूफ गाड़ी से मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे खान दुबई के लिए रवाना हो गए हैं। बॉलीवुड के 'दबंग खान' ने अपना वीडियो दुबई से शेयर किया है। हाल ही में टाइट सिक्योरिटी के बीच अपनी बुलेट प्रूफ गाड़ी से मुंबई एयरपोर्ट पहुंचे थे, जहां से दुबई के लिए रवाना हुए। हर कोई ये जानने के बेकरार था कि आखिर भाईजान दुबई क्यों जा रहे हैं? अब उन्होंने इस वीडियो से साफ किया है कि आखिर क्यों वह दुबई पहुंचे हैं। सलमान खान एक बड़े इवेंट में शामिल होने के लिए दुबई पहुंचे हुए हैं। इस इवेंट का नाम कराटे कॉमबैट है। इस इवेंट ने शामिल

होने के लिए जिस शख्स ने उन्हें बुलाया था, उससे एक्टर का सालों पुराना कनेक्शन निकला, जिससे खुद दबंग खान हैरान थे। ये इवेंट आज होने वाला है। सोशल मीडिया पर उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है, जिसको शेयर करते हुए उन्होंने लिखा है- 'उम्मीद है कल आपसे मुलाकात होगीज' वीडियो में सलमान कहते हैं, 'तो मैं अभी दुबई में हूं और मैं कराटे कॉम्बैट नाम के इस इवेंट में शामिल होने जा रहा हूं। मैं उस घटना के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा जो आपने स्वयं देखी है, लेकिन मैं आपके साथ एक कहानी साझा करना चाहता हूं। मैं इस बच्चे को जानता हूं, जब वो 2 साल का था और इसी उम्र से ताइक्वांडो, जुजित्सु कर रहा था और फिर एक दिन हमारा संपर्क टूट गया।उन्होंने आगे कहा- 'आज ही मुझे पता चला कि कराटे कॉम्बैट का अध्यक्ष वही लड़का है और उसका नाम आसिम है'। इसके बाद सलमान ने वीडियो में आसिम से अपने फैंस को भी मिलवाया। आसिम ने बताया कि सलमान ने उन्हें एक्शन करने में काफी मदद की और मेंटॉर किया। सलमान ने आसिम की इस बात के लिए तारीफ करते हुए बताया कि वह बड़ी आसानी से मेरे तक पहुंच सकता था, लेकिन उन्होंने उन तक वापस पहुंचने के लिए सही सोर्सस का इस्तेमाल किया, जो प्रोसेस होता है, उसे फॉलो किया। आपको बता दें कि इससे पहले सलमान ने एक और वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था, जिसमें बताया गया था कि सलमान दुबई अपनी कंपनी बीइंग स्ट्रॉन्ग के फिटनेस इक्विप्टमेंट लॉन्च करने दुबई जा रहे हैं।

अपनी कमाई से अर्जित संपत्ति को गैंगस्टर एक्ट के तहत नहीं कर सकते कुर्क

- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डीएम के आदेश को मनमाना मानते हुए किया रद्द

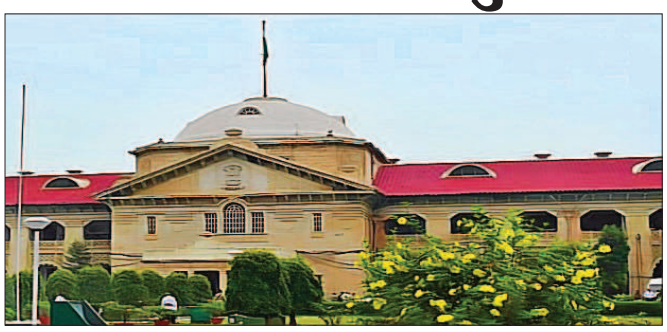

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डीएम के आदेश को मनमाना मानते हुए उसे रद्द कर दिया गया। कोर्ट ने कहा कि अपनी कमाई से अर्जित की गई संपत्ति को गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क नहीं की जा सकती है। कोर्ट ने डीएम से इस मामले में नए सिरे से विचार कर आदेश पारित करने को कहा है।

संभल जिले के हजरत नगरगढ़ी थाने में गैंगस्टर और असामाजिक गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत दर्ज प्राथमिकी पर डीएम के आदेश को कोर्ट ने रद्द कर दिया गया। यह आदेश न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति गजेंद्र कुमार की खंडपीठ ने रजी हसन और अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने डबल स्टोरी मकान खुद की कमाई से बनाया है। न कि गैंगस्टर रहबर हसन द्वारा अवैध तरीके से एकत्र किए धन से। डीएम ने उक्त मामले में पुलिस रिपोर्ट को आधार मानते हुए संपत्ति कुर्की का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन है, जिसका पालन किया जाना अनिवार्य था। डीएम ने यह आदेश बिना सोचे समझे यांत्रिक तरीके से पारित कर दिया जो कि मनमाना है।

मामले में याचिकाकर्ता पर आरोप था कि उसने डबल स्टोरी का मकान अवैध रूप से अर्जित संपत्ति से बनवाया है। वह एक गिरोह का सक्रिय सदस्य है, जो लोगों को डराना, धमकाने के साथ पैसे की वसूली करवाता है। लोगों में भय और आतंक फैलाता है, यही वजह है कि कोई भी उनके खिलाफ गवाही देने की हिम्मत नहीं करता। वे लगातार अपराध में लिप्त हैं और उन्हें स्वतंत्र रखना सुरक्षित नहीं है। लिहाजा, प्राथमिकी दर्ज कर आरोप पत्र दाखिल किया गया था। डीएम ने पुलिस रिपोर्ट के आधार पर उसकी संपत्ति को कुर्क करने का आदेश पारित कर दिया। डीएम के आदेश को याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में चुनौती दी जिस पर कोर्ट ने दलीलें सुनने के बाद डीएम के आदेश को रद्द कर दिया।

ओडिशा में नाव पलटने से सात लोगों की मौत, सीएम ने की सहायता की घोषणा

- नाव में महिलाओं और बच्चों समेत करीब 50 लोग सवार थे, मछुआरों ने 40 को बचाया

झारसुगुड़ा। ओडिशा के झारसुगुड़ा में एक नदी में नाव पलटने से उसमें सवार सात लोगों की मौत हो गई। नाव में महिलाओं और बच्चों समेत करीब 50 लोग सवार थे। कई लोग लापता भी हो गए थे। घटना पर राज्य के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने दुख जताया है और दुर्घटना में मृतक के परिवार को 4 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। सूत्रों के अनुसार घटना झारसुगुड़ा के लखनपुर ब्लॉक के सारदा के पास महानदी नदी में घटित हुई। बताया जा रहा है कि एक नाव बच्चों और महिलाओं को लेकर जा रही थी, जो अचानक पलट गई। इस घटना में सात लोगों की मौत हो गई है। नाव जैसे ही पलटी, चीख-पुकार मच गई। रोने-चीखने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे। वहीं स्थानीय मछुआरों ने तुरंत लोगों को बचाने में जुट गए। डीजी ने बताया कि सूचना के बाद रेस्क्यू टीम को मौके पर भेजा गया था। रेस्क्यू अभियान गोताखोरों की मदद से चलाया गया। दो स्पेशलिस्ट स्कूबा गोताखोरों को पानी के नीचे कैमरों के साथ उतारा गया। रेस्क्यू के लिए झारसुगुड़ा के लिए भुवनेश्वर से टीम भेजी गई। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि बरगढ़ जिले के बांधीपाली क्षेत्र से एक नाव यात्रियों को लेकर जा रही थी। जब नाव पलटी, उस समय कुछ स्थानीय मछुआरे मौजूद थे, जिन्होंने नदी मे डूब रहे 40 से अधिक लोगों को बचाया। वहीं जो लोग लापता हो गए थे, रेस्क्यू टीम को उनके शव मिले हैं।

लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी के बीच मुकाबला : अजित पवार

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शनिवार को कहा कि यह लोकसभा चुनाव पारिवारिक संबंधों को लेकर नहीं बल्कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच एक मुकाबला है। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पुणे जिले की बारामती लोकसभा सीट से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की उम्मीदवार हैं। सुनेत्रा ने शनिवार को कन्हेरी में हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर आधिकारिक तौर पर अपना चुनाव प्रचार अभियान शुरू किया।

चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत के लिए अजित पवार, उनके बेटे पार्थ और जय के अलावा पार्टी के कई स्थानीय नेता भी मौजूद थे। सुनेत्रा और उनकी ननद एवं तीन बार की लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले ने क्रमशः राकांपा और राकांपा (शरदचंद्र पवार) की उम्मीदवार के तौर पर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। अजित पवार ने भी इस सीट के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया है। राकांपा के एक पदाधिकारी ने बताया कि उनकी पत्नी का नामांकन खारिज होने अथवा उसमें कोई विसंगति पाए जाने की स्थिति में इसे एक वैकल्पिक योजना के रूप में तैयार किया गया है।

अजित पवार ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''हम भगवान हनुमान से प्रार्थना करने के बाद आधिकारिक तौर पर अपना चुनाव प्रचार अभियान शुरू कर रहे हैं। यह चुनाव पारिवारिक रिश्तों को लेकर नहीं है। यह लोकसभा चुनाव पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राहुल गांधी के बीच का मुकाबला है।''

इससे पहले, सुप्रिया सुले ने शुक्रवार को अपने पिता, राकांपा (एसपी) के प्रमुख शरद पवार और पवार परिवार के अन्य सदस्यों की मौजूदगी में हनुमान मंदिर में पूजा करके अपना चुनाव अभियान शुरू किया। अजित पवार ने कहा, ''कल, पवार परिवार के सभी सदस्य शरद पवार साहब के बगल में बैठे थे। उन्होंने यह दिखाने का प्रयास किया कि पूरा परिवार एकजुट है। उनमें से एक व्यक्ति ने यह दावा किया कि शरद पवार ने बारामती में सभी विकास कार्यकिए। उस स्थिति में, मैंने पिछले 30 वर्षों में क्या किया है?''

राकांपा महायुति गठबंधन का एक घटक दल है, जिसमें शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी शामिल हैं।जबकि राकांपा (एसपी), शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस ने एकजुट होकर महा विकास आघाडी (एमवीए) नामक गठबंधन बनाया है। शरद पवार परिवार के गढ़ माने जाने वाले बारामती में सात मई को मतदान होगा।

अशोक चव्हाण को जेल भेजने का वादा कब पूरा होगा, कांग्रेस ने पीएम मोदी से पूछा

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सदस्य अशोक चव्हाण के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप का उल्लेख कर कहा कि पीएम मोदी को बताना चाहिए कि क्या वह चव्हाण को जेल भेजने का अपना 10 साल पुराना वादा पूरा कब करने वाले है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, शनिवार को प्रधानमंत्री नांदेड़ और परभणी में सभा को संबोधित करने जा रहे हैं। उनसे हमारे सवाल हैं। क्या प्रधानमंत्री भाजपा के राज्यसभा सदस्य चव्हाण को जेल में डालने का अपना वादा निभाएंगे? मराठवाड़ा में सूखे और पानी की कमी से निपटने के लिए भाजपा के पास क्या योजना है? नांदेड़ मंडल में भारतीय रेलवे इतनी खराब स्थिति में क्यों है? उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री को 30 मार्च, 2014 को नांदेड़ में दिए गए अपने भाषण के शब्दों को याद करना चाहिए। तब उन्होंने तब के कांग्रेस नेता चव्हाण पर तीखा हमला बोला था, जो अब भाजपा वाशिंग मशीन योजना के नए लाभार्थी हैं। प्रधानमंत्री ने चव्हाण को आदर्श उम्मीदवार बताकर कहा था कि अगर वे प्रधानमंत्री बने, तब चव्हाण को छह महीने के भीतर जेल भेज दूंगा। चव्हाण का नाम महाराष्ट्र के बहुचर्चित आदर्श सोसाइटी घोटाले में आया था।

कांग्रेस नेता रमेश ने सवाल किया, क्या प्रधानमंत्री मोदी भाजपा को भी बेशर्म मानते हैं? क्या वह चव्हाण को जल्द ही क्लीन चिट दिलाने की तैयारी कर रहे हैं। क्या वे भाजपा के राज्यसभा सदस्य चव्हाण को जेल में डालने का अपना वादा पूरा करने वाले हैं।

कांग्रेस नेता ने महाराष्ट्र के कुछ इलाकों के सूखाग्रस्त होने को लेकर भी प्रधानमंत्री से सवाल किए। उन्होंने कहा कि पिछले चार महीने से सूखे की स्थिति से जूझने के बाद मराठवाड़ा क्षेत्र अब बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि की चपेट में आ गया है।

सिसोदिया की जमानत अर्जी का विरोध कर सीबीआई ने कहा, वे घोटाले के मास्टरमांइड, कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब घोटाला मामले में शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की अर्जी पर सुनवाई हुई। सीबीआई ने सिसोदिया की जमानत अर्जी का पुरजोर विरोध करते हुए उन्हें घोटाले का मास्टरमाइंड और किंगपिन करार दिया। जांच एजेंसी की दलीलों को सुनने के बाद ट्रायल कोर्ट ने सिसोदिया की जमानत अर्जी पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अब अदालत 30 अप्रैल को फैसला सुनाएगी। दिल्ली की निरस्त आबकारी नीति मामले में सिसोदिया महीनों से जेल में बंद हैं।

सिसोदिया ने लोकसभा चुनाव में प्रचार में शामिल होने की मांग करते हुए ट्रायल कोर्ट में अंतरिम जमानत की अर्जी दाखिल की थी। सिसोदिया के वकील ने कहा कि अब अदालत नियमित जमानत पर फैसला सुरक्षित कर चुकी है, इसकारण अंतरिम जमानत की याचिका वापस ले रहे हैं। दूसरी ओर, सीबीआई ने सिसौदिया की नियमित जमानत अर्जी का विरोध कर कहा कि उन्हें जमानत नहीं दी जानी चाहिए। सीबीआई ने उन्हें शराब घोटाले का मास्टरमाइंड बताया। सिसोदिया फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं।

सिसोदिया की नियमित जमानत याचिका पर शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। सीबीआई ने कहा कि सिसोदिया घोटाले के किंगपिन हैं, इसलिए इन्हें जमानत नहीं दी जानी चाहिए। जांच एजेंसी ने दलील दी कि जमानत दी गई तब सिसोदिया सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं। सीबीआई ने कहा कि सिसोदिया किंगपिन हैं, वह मास्?टरमाइंड हैं। फिलहाल इस मामले की जांच चल रही है।

हम जेल से नहीं डरते, हमें जांच और जेल से धमकाने की कोशिश मत कीजिए

-केरल के सीएम पिनाराई विजयन का राहुल गांधी के बयान पर पलटवार

कोझिकोड (एजेंसी)। केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि ऐसा क्यों है कि ईडी ने उनसे पूछताछ या गिरफ्तारी नहीं की। इससे एक दिन पहले, राहुल ने विजयन पर निशाना साधते हुए कहा था कि जब वह भाजपा के खिलाफ लड़ रहे हैं तो केरल के सीएम विजयन उन पर हमले क्यों कर रहे हैं। राहुल ने यह भी कहा था कि ईडी ने उनसे 55 घंटे तक पूछताछ की थी, उनकी लोकसभा सदस्यता और घर भी छीन लिया और वर्तमान में विपक्ष के दो मुख्यमंत्री जेल में बंद है, लेकिन केरल के सीएम विजयन के साथ ऐसा कुछ भी नहीं हुआ।

केरल के सीएम पिनाराई विजयन ने कोझिकोड की एक चुनावी जनसभा में राहुल गांधी पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की दादी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौरान उनको और वामपंथी नेताओं को जेल में डाल दिया था। विजयन ने कहा आपकी दादी ने हममें से ज्यादातर लोगों को डेढ़ साल से अधिक समय तक जेल में रखा था। विजयन ने कहा हमने पूछताछ और जेल जाने का अनुभव किया है और देखा है। हम जेल से नहीं डरते हैं। इसलिए हमें जांच और जेल से धमकाने की कोशिश मत कीजिए।

विजयन ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण का हवाला देते हुए तंज कसा कि हम वामपंथी नेता अशोक चव्हाण की तरह रोने वाले नहीं हैं और यह नहीं कहते हैं कि हम जेल नहीं जा सकते। उन्होंने प्रियंका गांधी पर भी हमला बोला और उनके पति रॉबर्ट वाद्रा और एक रियल एस्टेट कंपनी से संबंधित चुनावी बॉण्ड के मुद्दे का उल्लेख किया। विजयन ने कहा कि प्रियंका गांधी के पति के खिलाफ आरोप और मामले थे, लेकिन कंपनी द्वारा 2019-2022 के दौरान भाजपा को चुनावी बॉण्ड के रूप में 170 करोड़ रुपये दिए जाने के बाद वे खत्म हो गए। राहुल गांधी और राज्य के 17 यूडीएफ सांसदों पर तीखा हमला करते हुए विजयन ने कहा कि उनमें से किसी ने भी संसद में केरल के अधिकारों के लिए आवाज नहीं उठाई।

अश्लीलता में बच्चों के इस्तेमाल पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। अश्लील सामग्री के निर्माण में बच्चों के उपयोग पर देश की सबसे बड़ी अदालत ने चिंता जाहिर की है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाले गैर सरकारी संगठनों (जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन अलायंस ऑफ फरीदाबाद और नयी दिल्ली स्थित बचपन बचाओ आंदोलन) की अपील पर फैसला सुरक्षित रखते हुए ये टिप्पणियां कीं। दोनों संगठन बच्चों के कल्याण के लिए काम करते हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ क अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, हो सकता है कि एक बच्चे का अश्लील सामग्री देखना अपराध नहीं हो, लेकिन अश्लील सामग्रियों के निर्माण में बच्चों का इस्तेमाल किया जाना अपराध हो सकता है और यह गंभीर चिंता का विषय है।' मद्रास उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि केवल बाल अश्लील सामग्री डाउनलोड करना और देखना बच्चों का यौन अपराधों से संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम तथा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कानून के तहत अपराध नहीं है।

शीर्ष अदालत ने बाल अधिकार निकाय राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) को मामले में हस्तक्षेप करने और 22 अप्रैल तक अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने की अनुमति दी। सीजेआई ने कहा, 'बहस पूरी हो गई और फैसला सुरक्षित रख लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को मद्रास उच्च न्यायालय के उस फैसले को भयावह करार दिया था, जिसमें कहा गया है कि बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री (चाइल्ड पोर्नोग्राफी) को केवल डाउनलोड करना और उसे देखना पॉक्सो अधिनियम और आईटी कानून के तहत अपराध नहीं है। हाईकोर्ट के इस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनाई करने के लिए भी उच्च न्यायालय राजी हो गया था।

हाईकोर्ट ने 11 जनवरी को 28 वर्षीय एक व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द भी कर दी थी, जिस पर अपने मोबाइल फोन पर बच्चों से संबंधित अश्लील सामग्री डाउनलोड करने का आरोप लगाया गया था। दो संगठनों की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एचएस फुल्का ने उच्च न्यायालय के फैसले से असहमति जताई और पॉक्सो अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों का हवाला दिया। पीठ ने कहा कि यदि किसी को इनबॉक्स में ऐसी सामग्री मिलती है तो संबंधित कानून के तहत जांच से बचने के लिए उसे हटा देना होगा या नष्ट कर देना होगा। पीठ ने कहा कि अगर कोई बाल अश्लील सामग्री को नष्ट न करके सूचना प्रौद्योगिकी प्रावधानों का उल्लंघन करना जारी रखता है तो यह एक अपराध है। कथित क्लिप 14 जून 2019 को उसके पास आई थी। उच्च न्यायालय ने आरोपी को बरी कर दिया था और आरोपी के वकील ने कहा कि सामग्री उसके

व्हाट्सऐप पर ऑटोमेटिकली डाउनलोड हो गई थी। इससे पहले मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था कि आजकल के बच्चे अश्लील सामग्रियां देखने की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं और समाज को वैसे बच्चों को दंडित करने के बजाय शिक्षित करने को लेकर पर्याप्त परिपक्वता दिखानी चाहिए। अदालत ने 28 वर्षीय एस हरीश के खिलाफ कार्यवाही भी निरस्त कर दी थी, जिस पर अपने मोबाइल फोन पर बच्चों से जुड़ी अश्लील सामग्री डाउनलोड करने का आरोप था। अदालत ने कहा था कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 ऐसी सामग्री को केवल देखने को अपराध नहीं बनाता है।

ओक्सियो बना रही सेल्फ-ड्राइविंग कॉन्सेप्ट कार

बर्लिन । ओक्सियो कंपनी एक ऐसी फ्यूचरिस्टिक कार पर काम कर रही है, जिसका नाम स्विफ्ट पॉड है। यह एक सेल्फ-ड्राइविंग कॉन्सेप्ट कार है। इस कार को यात्रियों के रिलैक्स करने और रेस्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस दौरान ये कार लंबी दूरी खुद से तय करेगी। स्विफ्ट पॉड एक कमाल की ट्रांसपोर्ट कार है जो पैसेंजर्स के सोते समय रात भर चल सकेगी। ये कार पहियों पर चलते-फिरते होटल रूम जैसा होगा। 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली इस कार के होटल रूम में दो बेड भी होंगे। कार के डिज़ाइन में एक शानदार लो-सीटिंग केबिन है, जो तीन जायंट व्हील्स से जुड़ा हुआ होगा। इसमें एक समय में दो पैसेंजर सवार हो सकेंगे। पैसेंजर्स चाहें तो सीधे बैठ सकेंगे या उनके पास सोने के लिए बिस्तर भी होगा। इसमें सवार यात्री दिए फोल्डेब डेस्क का भी इस्तेमाल कर सकेंगे। इस डेस्क का इस्तेमाल पैसेंजर्स काम करे के लिए या खाने के लिए डाइनिंग टेबल के तौर पर कर पाएंगे। वहीं, लगेज रखने के लिए पैसेंजर्स व्हीकल में मौजूद बेड और सीटस के नीचे की खाली जगह को यूज कर सकेंगे। कार के डिजाइनर का कहना है कि उन्होंने और उनकी टीम ने ऑटोनॉमस ट्रांसपोर्ट की एक ऐसा सिस्टम क्रिएट करने के लिए अथक प्रयास किया जो रात भर की ट्रेन या फ्लाइट ट्रैवल की जगह ले सके। रिपोर्ट्स में ये भी पता चला है कि इस कार का नाम उस पक्षी से प्रेरित है जो सोते समय उड़ सकती है।

अमेरिका नाइजर से 1,000 सैनिकों को वापस बुलाएगा

वाशिंगटन । अमेरिका आने वाले महीनों में नाइजर से 1,000 अमेरिकी सैन्य कर्मियों को वापस बुलाएगा। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका की बाइडेन सरकार ने अपनी योजना के बारे में नाइजर की सरकार को सूचित किया है। रिपोर्ट के अनुसार, विदेश विभाग के उप सचिव कर्ट कैंपबेल ने दिन में नाइजर के प्रधानमंत्री से मुलाकात कर सरकार की मांग को स्वीकार कर लिया। रिपोर्ट में बताया गया है कि यह कदम पश्चिम अफ्रीका में अमेरिका के आतंकवाद विरोधी रुख में बदलाव लाएगा। पिछले महीने, नाइजर सेना के प्रवक्ता ने कहा कि देश की संक्रमणकालीन सरकार, जिसने पिछले जुलाई में तख्तापलट में सत्ता संभाली थी, ने नाइजर के लोगों के हितों का हवाला देकर तत्काल प्रभाव से सैन्य समझौते को समाप्त कर दिया। नाइजर के आंतरिक मंत्रालय ने हाल ही में कहा था कि नियामी द्वारा वाशिंगटन के साथ अपना सैन्य समझौता समाप्त करने के बाद अमेरिका ने देश से सैनिकों की वापसी के लिए एक योजना प्रस्तुत करने का वादा किया था। नाइजर के आंतरिक मंत्री मोहम्मद तौम्बा द्वारा अमेरिकी राजदूत कैथलीन फिट्ज़गिब्बन की मेजबानी करने के बाद सोशल मीडिया पर यह बयान प्रकाशित किया गया।

लग्जरी ब्रांड जापान में सस्ते अमेरिका में महंगे

टोक्यो । लग्जरी ब्रांड के सामान को खरीदने वाले, इन दिनों जापान जाकर लग्जरी ब्रांड के समान को खरीद रहे हैं। इटली, फ्रांस के नागरिक बड़ी संख्या में जापान पहुंच रहे हैं। वहां पर भारी भरकम डिस्काउंट के साथ लग्जरी ब्रांड आसानी से मिलते हैं। अमेरिका की तुलना में लगभग 30 फ़ीसदी तक डिस्काउंट में जापान में लग्जरी ब्रांड उपलब्ध हो जाते हैं। अमेरिका, चीन, मध्य पूर्व एशिया के देशों के नागरिक पर्यटन के लिए अब जापान को पसंद कर रहे हैं। जापान में प्राडा कंपनी के लग्जरी ब्रांड के उत्पाद 41 फ़ीसदी, लुई विन्ता के लग्जरी ब्रांड के उत्पाद 31 फीसदी तथा गुची कंपनी के उत्पादों की बिक्री जापान में 32 फ़ीसदी तक बढ़ गई है। टोक्यो के सबसे बड़े शॉपिंग जोन गिंज़ा की सड़कों पर ज्यादातर पर्यटक ड्यूटी फ्री कीमतों पर जापान से लग्जरी ब्रांड खरीद रहे हैं। भारतीय पर्यटकों की संख्या जापान में बड़े पैमाने पर बढ़ रही है।

भारत से जाने वाली पर्यटकों की संख्या बढ़ी

जापान के राष्ट्रीय पर्यटन संगठन की रिपोर्ट के अनुसार मार्च में 30 लाख से अधिक पर्यटक जापान पहुंचे हैं। पिछले साल की तुलना में 70 फ़ीसदी अधिक है। अकेले दक्षिण कोरिया से 6,63,000 पर्यटक जापान पहुंचे हैं। इसके बाद यूरोप, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम और भारत सहित 17 अन्य देशों के पर्यटक बड़ी संख्या में जापान पहुंच रहे हैं। भारत से जापान जाने वाले पर्यटकों की संख्या भी 53 फ़ीसदी बढी है। जो भी पर्यटक जापान पहुंचते हैं उनमें से अधिकांश लग्जरी ब्रांड के समान को खरीदतें हैं।

अमेरिका में प्रतिबंधित पदार्थ बेचने पर भारतीय को पांच साल की सजा

वाशिंगटन। अमेरिका ने डार्क वेब मार्केट प्लेस पर प्रतिबंधित पदार्थ बेचने के मामले में एक भारतीय नागरिक को पांच साल की सजा सुनाई है और उससे 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर भी वसूलने का आदेश दिया है। जानकारी के अनुसार डार्क वेब इंटरनेट का वह हिस्सा है, जहां आम सर्च इंजन नहीं पहुंच पाता यहां पहुचने के लिए एक विशेष वेब ब्राउजर का इस्तेमाल किया जाता है । हल्द्वानी के बनमीत सिंह को अप्रैल 2019 में लंदन में गिरफ्तार किया गया था। उसे मार्च 2023 में अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया। बनमीत ने प्रतिबंधित पदार्थों को बचने और धनशोधन की साजिश के आरोपों को कुबूल भी कर लिया था। प्रतिबंधित पदार्थ आम तौर पर ऐसी दवा या रसायन होता है जिसका बनाने और इस्तेमाल को सरकार द्वारा नियंत्रित किया जाता है। अदालती दस्तावेजों और अदालत में दिए गए बयानों के अनुसार, बनमीत ने फेंटेनाइल, एलएसडी, एक्स्टसी, जैनैक्स, केटामाइन और ट्रामाडोल जैसे नियंत्रित पदार्थ बेचने के लिए सिल्क रोड, अल्फा बे, हंसा समेत कई अन्य डार्क वेब मार्केटप्लेस पर विक्रेता विपणन साइट बनाई। ग्राहकों ने इन साइट का उपयोग करके बनमीत सिंह से ऑर्डर की गई दवाओं के लिए क्रिप्टोकरेंसी के से राशि का भुगतान किया। इसके बाद बनमीत ने व्यक्तिगत रूप से अमेरिका मेल या अन्य शिपिंग सेवाओं के जरिए यूरोप से अमेरिका तक दवाओं की खेप पहुंचाने की व्यवस्था की। एक अधिकारी ने बताया कि इस काम के जरिए बनमीत ने करीब 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर कमाए थे। बनमीत की गिरफ्तारी के बाद अदालत ने जुर्म साबित होने के बाद पांच साल की सजा सुनाई है और जुर्माना भी लगाया है।

इमरान का आरोप, बुशरा बीबी को टॉयलेट क्लीनर मिलाकर खाना दे रहे

-बुशरा ने सीने में जलन और पेट दर्द की शिकायत की

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान इन दिनों संकट में घिरे हैं। हाल ही में उनकी पत्नी को भी गिरफ्तार किया गया था। वे खुद पहले से ही जेल में बंद है। इमरान ने पाकिस्तान की एक अदालत को बताया है कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी को टॉयलेट क्लीनर मिलाकर खाना दे रहे है। उन्होंने दावा किया इस कारण बुशरा के पेट में रोजाना जलन होती है। पाकिस्तान में कई मामलों में दोषी ठहराए गए क्रिकेटर से नेता बने इमरान ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में 190 मिलियन पाउंड के भ्रष्टाचार मामले में सुनवाई के दौरान यह आरोप लगाया। इमरान ने न्यायाधीश नासिर जावेद राणा को बताया कि अदालत कक्ष में अतिरिक्त दीवारें खड़ी की गई हैं, जिससे यह एक बंद अदालत जैसा प्रतीत होता है। इमरान ने कहा कि शौकत खानम अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ असीम यूसुफ ने शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में बुशरा बीबी के स्वास्थ्य परीक्षण कराने का सुझाव दिया था। उन्होंने कहा, जेल प्रशासन पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) अस्पताल में परीक्षण करने पर अड़ा हुआ था। बाद में अदालत ने डॉ. यूसुफ को इमरान खान और बुशरा बीबी की मेडिकल जांच करने का आदेश दिया।

रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु, रूस के ओम्स्क क्षेत्र में टैंक और बख्तरबंद वाहनों के लिए उत्पादन सुविधा का निरीक्षण करते हुए।

अब इराक पर मिसाइल हमला, दो सैन्य अड्डे तबाह

बगदाद। इराक के सैन्य अड्डों पर आज जबरदस्त हवाई हमले हुए हैं। ये हमले बगदाद के दक्षिण में बाबिल प्रांत में आधी रात को एक अज्ञात विमान द्वारा किए गए, जिसमें दो इराकी सैन्य ठिकानों पर बमबारी की गई। हवाई हमले ड्रोन के जरिए किए गए और दो ठिकानों को निशाना बनाया गया।

जानकारी के अनुसार, ये हमले इराक के पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज की ओर से इस्तेमाल किए गए सैन्य अड्डे पर हुए। इन हमलों में तीन लोग घायल भी हुए हैं। इराक पर हमले को लेकर अमेरिका और इजरायल दोनों ने इनकार किया है। दोनों देशों ने कहा कि इसमें उनका कोई हाथ नहीं है। इससे पहले अमेरिका ने ही ऐन-अल-असद हवाई अड्डे पर एक हमले को नाकाम किया था। यहां अमेरिका और अन्य देशों के सैन्य बल मौजूद हैं। बता दें कि पीएमएफ एक ईरान समर्थित संगठन है, जिसमें एक लाख से ज्यादा लड़ाके हैं। सीरिया पर इसी संगठन ने कई बार हमले किए हैं और ये अमेरिका और इजरायल को भी कई बार धमकियां दे चुका है। सूत्रों के अनुसार, इराकी अर्धसैनिक हश्द शाबी बल बाबिल प्रांत के उत्तरी भाग में ये हमला हुआ। हमले में दों सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिसमें में एक हश्द शाबी बलों का गोला-बारूद का गोदाम तबाह हो गया और दूसरा हमला टैंक मुख्यालय पर हुआ। रिपोर्ट के हवाले से सूत्र ने कहा कि बगदाद से लगभग 30 किमी दक्षिण-पूर्व में मडेन इलाके में विस्फोटों की आवाज सुनी गई, लेकिन विस्फोटों के बारे में पुख्ता जानकारी अभी नहीं है।

कनाडा और चीन के बीच अब किस बात को लेकर बढ़ गई टेंशन, राजदूत ने 5 साल बाद पद छोड़ा

टोरंटो (एजेंसी)। कनाडा में चीन के राजदूत कांग पेइवु ने लगभग पांच साल बाद अपना पद छोड़ दिया। ग्लोबल अफेयर्स कनाडा के एक प्रतिनिधि के अनुसार, कांग पेइवु चीन लौट आए हैं। हालांकि, सीबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ओटावा में चीनी दूतावास ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। पेइवु ने 2019 से कनाडा में चीन के राजदूत के रूप में कार्य किया और उनके बाहर निकलने की खबर सबसे पहले कई समाचार आउटलेट्स द्वारा दी गई थी। चीनी राजनयिक की विदाई ऐसे समय हुई जब दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध रसातल में चले गए।

चीन-कनाडा संबंधों में कैसे खटास आई

तनावपूर्ण घटनाक्रमों की एक श्रृंखला ने चीन और कनाडा के बीच संबंधों को खराब करने में योगदान दिया। इसमें 2018 के अंत से 2021 के अंत तक कनाडाई नागरिकों माइकल स्पावर और माइकल कोवरिग को हिरासत में लेने का बीजिंग का निर्णय शामिल था। उनकी गिरफ्तारी को अमेरिकी प्रत्यर्पण वारंट पर हुआबेई के मुख्य वित्तीय अधिकारी मेंग वानझोउ की वैंकूवर गिरफ्तारी के प्रतिशोध के रूप में देखा गया था। हाल ही में, कनाडा के चुनावों में चीन द्वारा संभावित हस्तक्षेप के बारे में चिंताएँ बढ़ गई हैं। पिछले हफ्ते कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इस मामले पर गवाही दी थी। अपनी गवाही के दौरान, उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं है कि चीन कनाडा में 2019 और 2021 के संघीय चुनावों के नतीजे को प्रभावित करने में सफल रहा।

कनाडा चीन के साथ रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहा है

इस बीच, विदेश मंत्री मेलानी जोली के कार्यालय ने पुष्टि की है कि उनके उप मंत्री डेविड मॉरिसन दोनों देशों के बीच संबंधों को सुधारने के लिए चीन में हैं। हालाँकि, ग्लोबल अफेयर्स कनाडा ने अभी तक उनकी यात्रा के लिए कोई यात्रा कार्यक्रम जारी नहीं किया है। इस साल जनवरी में दोनों देशों ने एक-दूसरे के साथ संवाद और सहयोग करने का वचन देते हुए बयान दिए हैं। बातचीत के दौरान जोली ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से कई भू-राजनीतिक मुद्दों पर बात की।

अब युद्ध में दिखेंगे कई बदलाव: अमेरिकी वायु सेना ने एआई विमान से एफ-16 को हराया

वाशिंगटन (एजेंसी)। वाशिंगटन(ईएमएस)। दशकों से बिना इंसान के हवा से हवा में युद्ध की कल्पना की जाती रही है, लेकिन अब यह सपना हकीकत बन गया है। 2023 में, अमेरिकी वायु सेना ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। उन्होंने एक्स-62ए विमान का इस्तेमाल कर एआई से लैस विमान को असल में उड़ रहे एफ-16 लड़ाकू जेट से हवाई लड़ाई में भिड़ाया और जीत हासिल की। पिछले साल किए गए एक परीक्षण में, एआई से लैस विमान (एक्स-62ए विस्टा) ने असल में उड़ रहे एफ-16 लड़ाकू जेट को हवाई लड़ाई में हरा दिया। यह पहली बार है जब किसी एआई विमान ने मानव पायलट वाले विमान को युद्धाभ्यास में मात दी है। इस उपलब्धि को एयरोस्पेस मशीन लर्निंग में एक बड़ी छलांग के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिकी वायु सेना टेस्ट पायलट स्कूल और डिफेंस एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसी को इस सफलता का श्रेय दिया गया है। यह परीक्षण एयर कॉम्बैट इवोल्यूशन कार्यक्रम का हिस्सा था, जिसमें बाद में भी इसी तरह की कई हवाई लड़ाइयां हुईं और एआई विमान ने लगातार बेहतर प्रदर्शन किया।

चौंकाने वाली बात ये है कि एक्स-62ए एसीई टीम ने मात्र एक साल से भी कम समय में ये कारनामा कर दिखाया। उन्होंने न सिर्फ एक्स-62ए विमान में एआई को शामिल किया बल्कि असल हवाई युद्ध का अभ्यास कराया, जिसे डॉगफाइट के नाम से जाना जाता है। हालांकि परीक्षण की तारीख का खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन यह कैलिफोर्निया के एडवर्ड्स एयर फ़ोर्स बेस में हुआ था।एक्स-62ए विमान को सुरक्षा पायलटों के साथ उड़ाया जाता है जो जरूरत पड़ने पर एआई को बंद कर सकते हैं। हालांकि, इस परीक्षण के दौरान ऐसा करने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं पड़ी। रिलीज के अनुसार, मानवयुक्त एफ-16 के साथ हवाई लड़ाई के दौरान किसी भी समय सुरक्षा पायलटों को दखल देने की जरूरत नहीं पड़ी। अमेरिकी वायु सेना के परीक्षण पायलट बिल ग्रे इस परीक्षण से काफी उत्साहित हैं। हालांकि उनका मानना है कि यह सिर्फ शुरुआत है। ग्रे का कहना है कि इस परीक्षण से मिली सीख न सिर्फ हवाई युद्ध में बल्कि किसी भी ऐसे कार्य में लागू की जा सकती है जिसे हम किसी ऑटोनोमस प्रणाली को सौंपना चाहें। उनका कहना है कि मशीन लर्निंग के क्षेत्र में मिली सफलताएं आगे भी जारी रहेंगी।

किम जोंग ने फिर किया क्रूज और विमान रोधी मिसाइल का परीक्षण

-कोरियाई प्रायद्वीप में बढ़ते तनाव के चलते उत्तर कोरिया बढ़ा रहा हथियारों का जखीरा

प्योंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया आए दिन मिसाइलों का परीक्षण करता रहता है। ऐसा करके वह अपने विरोध दक्षिण कोरिया और अमेरिका को यह संदेश देता रहता है कि वह किसी भी तरह से कमजोर नहीं है। वहीं शनिवार को उत्तर कोरिया ने अपने पश्चिमी तटीय इलाके में सबसे बड़े क्रूज मिसाइल मुखास्त्र और एक विमानरोधी मिसाइल का परीक्षण किया है। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ बढ़ते तनाव के बीच उत्तर कोरिया तेजी से अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ा रहा है और हाल में उसने कई मिसाइल परीक्षण भी किए हैं।

उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया की खबर में कहा गया है कि शुक्रवार को 'ह्वासल-1 रा-3' रणनीतिक क्रूज मिसाइल के लिए तैयार मुखास्त्र का 'शक्ति परीक्षण' किया साथ ही 'प्योलजी-1-2' विमानरोधी मिसाइल का परीक्षण किया गया। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार समिति द्वारा जारी की गई तस्वीरों से साफ नजर आ रहा है कि लॉन्चर ट्रक से दो मिसाइलें दागी जा रही हैं। खबर में यह भी कहा गया कि शुक्रवार को किया यह परीक्षण उत्तर कोरिया की सैन्य विकास गतिविधियों का हिस्सा थे और इसका आसपास के हालात से कोई लेना देना नहीं है।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ बढ़ते तनाव के बीच कोरियाई प्रायद्वीप पर कुछ सालों में काफी तनाव बढ़ा है। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग हथियारों के जखीरे को बढ़ाने के लिए प्रयास कर रहे हैं और किम जोंग का कहना है कि इस जखीरे में कुछ ऐसी मिसाइलें भी हैं जो अमेरिकी और प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी लक्ष्यों को निशाना बनाने में सक्षम हैं। उत्तर कोरिया की तैयारियों के बीच अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने भी अपने संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण का विस्तार किया है।

इजराइली पीएम के खिलाफ आईसीसी जारी कर सकता है गिरफ्तारी वारंट

-गाजा में अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप, जर्मनी-ब्रिटेन से मदद मांगी

येरुशलम (एजेंसी)। इजराइल-हमास युद्ध के बीच गाजा में अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करने के आरोप में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, कई राजनेताओं और सैन्य नेताओं के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी हो सकता है।

इजराइल को हमास के खिलाफ युद्ध के बीच डर सताने लगा है कि अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल को सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली थी कि आईसीसी आने वाले समय में वारंट जारी करने पर विचार कर रही है। इसके बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस में कई विशेषज्ञों ने इस मुद्दे पर तत्काल बैठक की थी। इस बैठक में वारंट को टालने के प्रयासों पर चर्चा हुई थी।

इजराइल के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस बैठक में इस बात पर सहमति बनी थी कि इजराइल गिरफ्तारी वारंट टालने के लिए आईसीसी और अन्य राष्ट्रों के विदेश डिप्लोमैटिक अधिकारियों से बातचीत करेगा। इसके अलावा, इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने ब्रिटेन और जर्मनी के विदेश मंत्रियों से इस मामले में मदद भी मांगी है। नेतन्याहू के मंत्रियों को डर है कि गाजा में मानवीय संकट को देखते हुए यह वारंट जारी हो सकता है। फरवरी में हमास की कैद से रिहा हुए कुछ इजराइलियों ने आईसीसी में हमास के युद्ध अपराध के खिलाफ शिकायत की थी। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के चीफ प्रॉसीक्यूटर करीम खान पिछले साल दिसंबर में इजराइल दौरे पर आए थे। इस दौरान करीम उन क्षेत्रों में भी गए थे, जहां हमास ने हमला किया था। करीम खान ने कहा था कि इजराइल में हमास की क्रूरता के सबूत मौजूद हैं। अब हमास के खिलाफ कार्रवाई शुरू करना उनका कर्तव्य है।

1 जुलाई 2002 को इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट यानी आईसीसी की शुरुआत हुई थी। ये संस्था दुनियाभर में होने वाले वॉर क्राइम, नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराधों की जांच करती है। ये संस्था 1998 के रोम समझौते पर तैयार किए नियमों के आधार पर कार्रवाई करती है। आईसीसी का मुख्यालय द हेग में है। ब्रिटेन, कनाडा, जापान समेत 123 देश रोम समझौते के तहत इसके के सदस्य हैं। आईसीसी ने यूक्रेन में बच्चों के अपहरण और डिपोर्टेशन के आरोपों के आधार पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। आईसीसी के वारंट के लिए देशों को गिरफ्तारी करने के लिए बाध्य नहीं होना पड़ता। इसकी वजह यह है कि हर संप्रभु देश अपने आंतरिक और विदेशी नीतियों के लिए स्वतंत्र होते हैं। आईसीसी भी हर देश की संप्रभुता का सम्मान करती है। अपने 20 साल के इतिहास में आईसीसी ने मार्च 2012 में पहला फैसला सुनाया था। ये फैसला डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो के उग्रवादी नेता थॉमस लुबांगा के खिलाफ सुनाया था। जंग में बच्चों को भेजे जाने के आरोप में उसके खिलाफ केस चलाया गया था। इस आरोप में लुबांगा को 14 साल के लिए जेल की सजा सुनाई गई थी।

अंतरिक्ष को लेकर चीन की साजिश पर नासा प्रमुख का बयान, दुनिया में मच गई हलचल

वॉशिंगटन (एजेंसी)। चीन का जब भी जिक्र आता है, पूरी दुनिया शक की निगाह से देखती है। लेकिन इस बार अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने चीन को लेकर ऐसा दावा किया है कि पूरी दुनिया में खलबली मच गई है। नासा प्रमुख बिल नेल्सन का कहना है कि चीन अंतरिक्ष में गुप्त सैन्य परियोजनाओं को छिपा रहा है, ताकि वे चंद्रमा पर अपना दावा कर सके। चीन हमेशा कहता रहा है कि अंतरिक्ष में उसकी गतविधियां पूरी तरह वैज्ञानिक हैं। उसका मकसद किसी भी तरह से अतिक्रमण करने का नहीं है। लेकिन बिल के दावे से पूरी दुनिया में सनसनी मच गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, नासा प्रमुख ने बताया कि चीन के इरादे कुछ और ही हैं। हमें लगता है कि चीन अंतरिक्ष में एक सैन्य कार्यक्रम चला रहे हैं। इसकी जानकारी वे दुनिया से छुपा रहे हैं। अंतरिक्ष के क्षेत्र में चीन ने असाधारण प्रगति की है, लेकिन उसके ज्यादातर कार्यक्रम गोपनीय रहे हैं, जिसके बारे में वह दुनिया को नहीं बताता है। अमेरिका और चीन दोनों चंद्रमा पर स्थायी अड्डे बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके तहत मार्च में चीन के वैज्ञानिकों ने डिज्नीलैंड के आकार का चंद्र बेस बनाने का ऐलान किया था।

नेल्सन ने कहा, हम एक रेस में है। 2030 तक चांद पर उतरने की तैयारी कर रहे हैं। हम वहां जल्द पहुंचना चाहते हैं। आर्टेमिस 3 सितंबर 2026 में लांच किया जाएगा। दरअसल, अमेरिका चांद को लेकर हमेशा चिंतित रहता है। वह चीन को अपना सबसे अहम प्रतिद्वंद्वी मानता है। लेकिन नेल्सन का दावा है कि अमेरिका चीन से काफी आगे है। नासा प्रमुख ने कहा कि अगर चीन पहले वहां अपना आधार बनाना शुरू करता है, तब वे चांद के कुछ हिस्सों पर दावा कर सकता है। नासा की ये चिंता इसकारण है, क्योंकि चीन अपना अंतरिक्ष स्टेशन 2022 में ही बना चुका है। अपने उपग्रहों की संख्या दोगुनी कर दी है। चार साल में अरबों डालर निवेश किए हैं। अमेरिकी स्पेस फोर्स के कमांडन ने चीन के ट्रैकिंग उपग्रहों को लेकर चेताया है, जिनका उपयोग सैन्य अभियानों की निगरानी के लिए किया जा सकता है। चीन विशाल जासूसी गुब्बारे और हाइपरसोनिक मिसाइलें भी विकसित कर रहा है।

संपादकीय

युद्ध की भड़कती आग

ईरान और इजरायल जिस राह पर निकल पड़े हैं, वह युद्ध और विनाश की ओर ही जाता है। इस महीने की शुरुआत से ही दोनों देशों से 'हमला' और 'बदला' जैसे शब्द सुनाई दे रहे हैं। एक अप्रैल को सीरिया के दमिश्क में ईरानी दूतावास पर हमला हुआ, तो इसका आरोप इजरायल के मत्थे मढ़ा गया। दो हफ्ते बीतने से पहले ही ईरान ने उसका बदला लेने के लिए हमला बोल दिया। उसने इजरायल पर करीब 300 मिसाइलें दागीं। हालांकि, इजरायल ने दावा किया कि उसने ज्यादातर मिसाइलें लक्ष्य तक पहुंचने से बहुत पहले ही नष्ट कर दीं। नुकसान शायद बहुत ज्यादा नहीं था, लेकिन यह उसके सम्मान पर बहुत बड़ी चोट थी। पिछले तीन दशक में किसी देश ने पहली बार इजरायल की धरती पर इस तरह से बमबारी की जुर्रत की थी। इस शुक्रवार को इजरायल ने इसका बदला ले लिया। इजरायल के वमवर्षक ड्रोन ईरान की ओर उड़े और उसके सैन्य शहर इशफाहान पर बम बरसाए। इशफाहान के बारे में कहा जाता है कि इसी जगह पर ईरान अपना परमाणु बम विकसित कर रहा है। इसके अलावा, यह ईरानी फौज का सबसे बड़ा बेस भी है। यह हमला कितना बड़ा था, इसके बारे में फिलहाल बहुत कुछ नहीं कहा जा सकता। कुछ खबरों में तीन बड़े धमाकों की आवाज सुनाई देने की बात कही गई है। हालांकि, ईरान और इजरायल, दोनों ने ही इसे कमतर दिखाने की कोशिश की है। तेहरान ने कहा है कि कोई बहुत बड़ा नुकसान नहीं हुआ, जबकि इजरायल ने आश्वस्त किया है कि यह हमला ईरान के परमाणु केंद्र पर नहीं था। वैसे मामला हमले के बड़े या छोटे होने का नहीं है, मामला पश्चिम एशिया में और खासकर इन दोनों देशों के बीच उस तनाव का है, जो लगातार बढ़ता जा रहा है। अतीत में भी इजरायल एक बार ईरान के इसी शहर पर हमला कर चुका है, लेकिन इस बार तनाव बहुत ज्यादा है, इसलिए आशंकाओं की भरमार भी दुनिया को सिहरन दे रही है। अभी ईरान की तरफ से एक बयान यह भी आया है कि फिलहाल इस हमले का बदला लेने का उसका कोई इरादा नहीं है, लेकिन आम धारणा यही है कि बदला देर-सवेर लिया ही जाएगा। अगर इसी तरह से बदला-दर-बदला बात चलती रही, तो पश्चिम एशिया का यह तनाव कब पूर्ण युद्ध में बदल जाएगा, कहा नहीं जा सकता। पिछले चंद रोज में गाजा में जिस तरह का मानवीय संकट खड़ा हुआ है, इजरायल इन झड़पों के चलते उससे दुनिया का ध्यान हटाने में जरूर कामयाब रहा है। पिछले कुछ महीनों से पश्चिम एशिया में जैसे तनाव दिख रहे हैं और जिस तरह के खतरे खड़े हो रहे हैं, उसके सामने पूरी दुनिया महज तमाशबीन बनी दिख रही है। खासकर जिनको हम महाशक्तियां कहते हैं, वे मौन हैं। रूस यूक्रेन के साथ लड़ाई में उलझा हुआ है। चीन अपनी सुस्त पड़ती अर्थव्यवस्था से जूझ रहा है। अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति चुनाव है और ऐसे मौके पर कोई यह मानने को तैयार नहीं कि वह पश्चिम एशिया में निष्पक्ष भूमिका निभा सकेगा। संयुक्त राष्ट्र की अपनी सीमाएं हैं और अक्सर वह ऐसे युद्धों को रोकने में कारगर नहीं हो पाता। बड़ी समस्या यह नहीं है कि इजरायल-ईरान का तनाव बढ़ रहा है और कभी भी आग के भड़क उठने की आशंकाएं हैं, समस्या यह है कि यह सब ऐसे मोड़ पर हो रहा है, जहां पहुंचने के लिए समझदारी के सारे रास्ते बंद कर दिए गए हैं।

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

बुद्धिहीन उपभोक्तावाद की आसक्ति से नहीं मिलेगी खुशी

अविजित पाठक

हालांकि हम लोग एक भयावह रूप से हिंसाग्रस्त विश्व में जी रहे हैं, वह जिसमें लगातार होने वाले युद्ध, सैन्यीकरण, नए किस्म का अधिनायकवाद, बढ़ती आर्थिक असमानता, पर्यावरण संकट और सामाजिक कारणों से बना मानसिक संताप इसका चरित्र बन गया है। और मानो इन सबके बीच 'खुशी' ढूंढ़ना एक अनन्त खोज बन गई है। आधुनिक काल में, हमें गुणा-भाग वाली सूक्ष्मता से प्यार हो गया कि तुर्रा यह कि खुशी जैसे उच्च गुणवत्तापूर्ण और आत्मनिष्ठ अनुभव को भी हमने नापने-तोलने की चीज़ बना डाला है। हर साल, संयुक्त राष्ट्र सतत विकास उपाय नेटवर्क एक सूची जारी कर, विभिन्न मुल्कों का पदानुक्रम तय करता है जो उसके हिसाब से मापने लायक 'खुशी सूचकांक' पर आधारित है- इस निर्धारण में सकल घरेलू उत्पाद, आयु दीर्घता, राजकीय कामकाज दक्षता, स्वतंत्रता, सामाजिक संबल (परोपकारी व्यवहार) को गिना जाता है। जहां फिनलैंड पिछले सालों की भांति 'सबसे खुश' देश है वहीं विश्व खुशी रिपोर्ट-2024 में भारत का स्थान 143 देशों में 126वां है। खैर, मैं इस किस्म की रिपोर्ट के गुण-दोषों को पूरी तरह खारिज भी नहीं करता। बेशक, एक उचित मात्रा में सामाजिक सुरक्षा, राज्य द्वारा चलाई जाने वाली सामाजिक भलाई नीतियां, अच्छी मेडिकल सुविधाएं, रोजगार उपलब्धता, संवाद की मौजूदगी वाला समाज और राजनीतिक स्वतंत्रता रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ हद तक संतोष पैदा करते हैं। तथापि, यहां यह अहसास भी उतना ही जरूरी है कि 'शुद्ध खुशी' जैसी कोई चीज़ नहीं हो सकती, क्योंकि उल्लास के हमारे सबसे बढ़िया लम्हे और संतोष भी कुछ हद तक आशंका से जुड़े होते हैं, मसलन, जो कुछ हमारे पास है उसे खोने का डर, चाहे यह भौतिक संपदा, शरीर की तंदुरुस्ती हो या फिर प्रियजनों का साथ छूटने का भय। ताजिंदगी हम 'सम्पूर्ण खुशी' के पीछे भागते रहते हैं, लेकिन फिर भी यह हाथ नहीं आती। कोई हैरानी नहीं कि हमारे इस काल में जीवन जीने का ढंग सिखाने वाले, प्रेरणास्पद भाषणकर्ता और आध्यात्मिक बाबाओं की कोई कमी नहीं, जो बारम्बार हमें एक खास तकनीक पर चलने की सीख देते हैं, मसलन, समाधि अभ्यास, श्वास साधक व्यायाम, सचेतन होना इत्यादि -'खुश' व 'सफल' होने के मकसद हेतु। लेकिन फिर, यह समझना चाहिए कि खुशी की प्राप्ति कैप्सूल खाने जैसा एक त्वरित उपाय नहीं है, जिसकी खुराक किसी स्व-सहायता पुस्तक या आश्रम अथवा मठ के विशेष सत्रों में भाग लेकर मिले। तथ्य तो यह है कि यदि सच में हम एक आडम्बरहीन, शांतिपूर्ण और संतोष से परिपूर्ण दुनिया की ओर बढ़ना चाहते हैं तो हमें स्व और दुनिया अथवा राजनीति और अध्यात्म के बीच पुल बनाना होगा। उदाहरणार्थ, जरा सोच कर देखिए, जो व्यक्ति भूख, कुपोषण और सिर पर छत न होने से बेहाल है उसको संचेतना सिखाने की बेवकूफी (बुरे अनुभवों से बने संताप या अस्थिर भविष्य की आशंका को नज़रअंदाज कर वर्तमान में जीने की समर्था बनाए)। या फिर उस मानसिक हिंसा के बारे में सोचिए जो एक बेरोजगार युवा के मानस पर चोट करती है, जब नौकरी पाने में कंपनी दर कंपनी से अस्वीकृति झेलनी पड़े, तिस पर आप उसे सबसे अधिक बिकने वाली स्व-सहायता किताब 'मैं ठीक हूं- आप ठीक हैं' जैसी कोई पुस्तक पढ़ने को कहें ताकि 'अच्छा' और 'सकारात्मक' महसूस का भ्रम पाले। यह ठीक उतना ही बेवकूफ़ाना है जब किसी बेघर को या जो पहले से झुग्गी में रह रहा है, उसे न्यूनतम साधनों में जीवन जीने का प्रवचन दिया जाए। राजनीतिक व आर्थिक असमानता की नींव को बदले बिना हम अ गैर-बराबर व शोषण करने वाली दुनिया को बदलकर संतोष की ओर नहीं बढ़ सकते। इसी प्रकार जैसा कि 'भारत रोजगार रिपोर्ट 2024' बताती है कि भारतीय युवाओं में 83 प्रतिशत बेरोजगार हैं या जब 'द राइज़ ऑफ बिलिनियर्स राज' नामक शोध-पत्र कहे कि भारत के चोटी के 1 फीसदी अमीरों के हाथ में 40 प्रतिशत आम लोगों के बराबर सरमाया है, तो एक आम भारतीय को महसूस हो रहे संताप, भय और आशंका का अंदाजा लगाना कठिन नहीं। भले ही हमारे पास हज़ारों की संख्या में बाबा, गुरु और स्व-सहायता सिखाने वाले हों, जो मोक्ष प्राप्ति की जुगत के तौर हमें नाना किस्मों की घुट्टी पिलाते हैं, तथापि अलफ सच्चाई है कि हमारा देश नाखुश मुल्क है। संभवतः हमारे समाज में राजनीतिक-आर्थिक पुनर्संरचना किए बिना हम वैसा सामाजिक परिवेश नहीं बना सकते, जो यथेष्ट संतोष से परिपूर्ण लोगों की तरक्की अनुकूल हो। ऐसा नहीं है कि मुझे अर्थपूर्ण, सतत और करुणामय जीवन के लिए आत्मविश्लेषण या अंदरूनी शांति के महत्व से इंकार है। जहां उचित मात्रा में आर्थिक सुरक्षा और राजनीतिक स्वतंत्रता हमारे रोजमर्रा के जीवन को कुछ आरामदायक बनाती है वहीं हम एक अधिक अर्थपूर्ण और शांतिपूर्ण वजूद की ओर नहीं बढ़ सकते, जिसके बिना मैं जीवन को धर्मनिष्ठ नहीं कह सकता। उदाहरणार्थ, यह धर्मनिष्ठा जीवन जीने के ढंग में, गैर-उपभोक्तावाद अवस्था की कला विकसित करने के बारे में हैं। भोजन, आवास, जीवन-पुष्ट शिक्षा, राजनीतिक स्वतंत्रता और विरक्ति न बनाने वाले काम जैसी मूलभूत जरूरतों को लालच के वायरस के मोहपाश में जा फंसने से अलहदा कर पहचानना होगा- वह लालच जिसका बाजार-चालित समाज ने सामान्यीकरण कर दिया है। हां, उस समाज में कभी खुशी नहीं हो सकती जो नवउदारवादी बाजार द्वारा उत्पादित नित नए फैशनों या नई वस्तुओं के प्रति बुद्धिहीन उपभोक्तावाद या निरंतर बढ़ती आसक्ति के सिद्धांत को मान्यता दे। लालसा की यह प्रवृत्ति शांति और धीरज को भंग करती है । इसकी बजाय व्यक्ति में ईर्ष्या, अशांति और पीछे छूट जाने का भयंकर डर बनाती है। इसी प्रकार, दूसरों से जुड़े रहने वाले स्व को विकसित करने की कला भी उतनी ही महत्वपूर्ण है- वह स्व जिसे दिखने में साधारण से कामों में भी बहुत आनंद मिलता हो- जैसे कि दोस्तों से बिना स्वार्थ मिलना या पहाड़ी इलाके में सैर और प्रकृति की अनंतता की झलकी का अनुभव करना। यह बेशक साधारण लगे लेकिन फिर भी सर्जनात्मकता के अतिरेक से लबरेज होती है, वह जो हमें निरंतर ललचाने और बहकाने वाली बाजारीकरण संस्कृति से उपजी मिथकीय 'सफलता' या 'अति उत्तम और खुशी' वाली जिंदगी की मरीचिका से पीछे भागने की लालसा से मुक्त रहने में मददगार होती है। जीवन की धर्मनिष्ठा को जरूरत है हमारे अस्तित्व में अंतर्निहित उदासी को अंगीकार करने के साहस की। यह 'सब कुछ हमारे बस में नहीं' को स्वीकार करने जैसा है। जो कुछ हम थामकर रखना चाहते हैं वह चलायमान और अस्थाई है। बिना पूर्व सूचना घटित अकल्पनीय दुर्घटनाएं और शोकाकुल प्रसंग हमारे अस्तित्व को झिंझोड़ सकते हैं, मौत की सच्चाई से कोई नहीं बच सकता- जो कि हमारे फुलाए अहम की व्यर्थता की अंतिम परिणति है। संभवतः यह अहसास, हमें कटु बनाने की बजाय, आंसुओं से भरे इस लौकिक अस्तित्व से गुजरने में समर्थ बनाता है। लेखक समाजशास्त्री हैं।

आत्मानुशासन के प्रबल समर्थक थे महावीर भगवान

(लेखिका- डॉ संध्या जैन श्रुति)

(आज 21 अप्रैल महावीर जयंती पर विशेष)

जियो और जीने दो के प्रणेता, अणु शक्ति के आगे मनु शक्ति का प्रयोग करने वाले, मानव जाति एक है अखंड है, जिसमें ऊँच - नीच की कल्पना करना सत्य का गला घोंटना है, मनुष्य जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है, आत्म शक्ति के प्रबल समर्थक भगवान महावीर जी के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं

महावीर जिस युग में हुए तब घोर जातिवाद था और भगवान महावीर जातिवाद के घोर विरोधी थे,महावीर के शासन में ना जाने कितने शूद्र और चांडाल दीक्षित हुए।

भगवान महावीर के जीवन काल के समय गणतंत्र व्यवस्था अपने विकास के चरम पर थी जैसे आज आधुनिक भारत में लोकतंत्र अपने विकास की ओर अग्रसर हो रहा है हम लोकतंत्रीय परंपराओं को आत्मसात कर रहे हैं भगवान महावीर ने भी अपने सिद्धांतो में लोकतंत्रीय आदर्शों को आश्रय दिया। लोकतंत्र के विभिन्न आदर्श स्वतंत्रता, समानता, आत्म निर्णय का अधिकार, अनुशासन, सापेक्षता, विश्वबंधुत्व, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जागरुकता, सहयोग, प्रेम, दया, सहिष्णुता आदि को भगवान महावीर ने प्रचारित प्रसारित किया जिससे लोककल्याण की सरिता उद्भूत हुई और जनमानस जागरुक बनकर लोक कल्याण की ओर अग्रसर हुआ।

समानता के सिद्धांत के प्रतिपादक भगवान महावीर ही थे जिन्होंने स्वतंत्र आत्म शक्ति पर बल दिया था आत्मा का, आत्मा के द्वारा, आत्म कल्याण के सिद्धांत को प्रतिपादित किया था इस सिद्धांत के अनुसार जीव जंतु, प्राणी, वनस्पति सभी को अपने समान मानते थे वे कहते थे आत्म शक्ति सबमें एक बराबर है चींटी से इंसान की सब जीवों की रक्षा करना वाणी है भगवान की।

आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक और सांस्कृतिक समानता का उद्भव भगवान महावीर ने भी किया था जो मार्क्स की याद दिलाता है जिसने साम्यवाद का उद्घोष किया यह साम्यबाद आंतरिक परिवर्तन की प्रेरणा देता है। साम्यवाद साध्य व साधन दोनों की पवित्रता पर ध्यान देता है यही महावीर का सिद्धांत है जिसकी आज जरूरत है।

आत्मअनुशासन

इसका अर्थ है अपने आप पर शासन, महावीर का मानना था कि अपने शरीर, मन, वाणी और सभी इंद्रियों पर नियंत्रण रखो, अपनी आत्मा पर शासन करो संयम, तप, निग्रह के द्वारा आत्मअनुशासन रखो वध बंधन के द्वारा किसी को मत सताओ और न किसी के सताए जाने योग्य बनो, स्वेच्छा ही जनतंत्र का आधार है।

विश्व बंधुत्व-

वसुधैव कुटुंबकम के आदर्श का जितना सुंदर प्रतिपादन भगवान महावीर ने किया है उतना कदाचित ही कहीं हुआ हो संसार के प्रत्येक प्राणी यहाँ तक कि जड़ पदार्थों के प्रति भी उनके मन में दया के भाव थे वे किसी के प्रति शत्रुता का भाव नहीं रखते थे किसी से द्वेष नहीं करते थे अपने अपराध के लिए सबसे क्षमा प्रार्थी थे।

खामेभी सब्ब जीवे सव्वे जीवा खमंतु मे
मित्ती मे सव्व एसु, बैरम् मज्झं न केणई।

आधुनिक संघर्षशील युग में जब भाई भाई में, देश देश में, द्वेष और घृणा के भाव पनप रहे हैं तब भगवान महावीर का यह विश्व बंधुत्व का संदेश राष्ट्रीयता अंतर्राष्ट्रीयता एवं लोकतंत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है लोकतंत्र की प्रगति प्रेम, सद्भाव, सहकारिता, सहानुभूति के वातावरण में ही होती है।

इसके अतिरिक्त अंधविश्वास, रुढ़िवादिता कर्मकांड का विरोध कर वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास से परीक्षण, निरीक्षण एवं स्वविवेक से प्रत्येक वस्तु को जाने, इन्हें सम्यक बनाने का उपदेश दिया अहिंसा, शांति, जागरुकता, न्याय, सत्य, संयम आदि को जीवन में उतारने का संदेश दिया। महावीर मुक्ति हेतु इन आदर्शों की पुष्टि करते थे जो लोकतंत्र में आवश्यक है इन आधारों पर हम देखें तो महावीर और लोकतंत्र एक दूसरे के पर्यायवाची बन गये हैं।

महावीर के सिद्धांत चिंतन का विषय होने चाहिए तभी वर्तमान सुख कर और सुंदर बन पाएगा।

आज का युग शांति की अन्वेषणा कर रहा चढ़ भ्रांति के जलयान में लक्ष्य तक वह जा सकेगा क्या कभी बात यह आए सभी के ध्यान में।

विचार मंथन

इंदिरा इज इंडिया की तरह, मोदी इज इंडिया, मोदी के बाद कौन?

(लेखक- सनत जैन)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जनसंघ से लेकर भाजपा तक का संगठन, हमेशा व्यतिवाद से दूर रहा है। 1999 में जब अटल बिहारी वाजपेई के कटाउट चुनाव प्रचार के दौरान लगाए गए थे, उस समय संघ ने नाराजगी व्यक्त की थी। संघ परिवार ने कभी भी व्यक्ति को महत्व नहीं दिया। जनसंघ और भाजपा में भी कभी किसी व्यक्ति को महत्व नहीं मिला। 2014 के बाद से स्थिति बड़ी तेजी के साथ बदल गई है। 2019 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम वोट मांगे गए। प्रचार अभियान में केवल प्रधानमंत्री मोदी ही रहते हैं। उनके साथ भाजपा का कोई नेता भी नहीं रहता है। 2024 का लोकसभा चुनाव अब मोदी की गारंटी पर लड़ा जा रहा है। चुनाव प्रचार अभियान में केवल और केवल मोदी हैं। अटल बिहारी वाजपेई, लालकृष्ण आडवाणी, राजनाथ सिंह एवं वरिष्ठ भाजपा नेता इस चुनाव प्रचार अभियान से गायब हैं। भारत के सभी 543 लोकसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम और उनकी गारंटी पर जनता से वोट मांगे जा रहे हैं। भाजपा का घोषणा पत्र, भाजपा और संघ की विचारधारा को नेपथ्य में डाल दिया गया है। इस कारण भारतीय जनता पार्टी और संघ के नेताओं में यह बात उभर कर सामने आ रही है कि संघ और भाजपा ने क्या अपनी नीतियां बदल दी हैं? भाजपा के लोग ही अब कहने लगे हैं, कि 1970 के दशक में जो स्थिति कांग्रेस पार्टी की बनी थी, वही स्थिति अब भाजपा की बन गई है। तत्कालीन कांग्रेस के अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने इंडिया इज इंदिरा और इंदिरा इज इंडिया के नारे को बुलंद किया था। ठीक वही स्थिति अब भारतीय जनता पार्टी की 2019 के बाद से बन गई है।

2014 का चुनाव भारतीय जनता पार्टी ने अच्छे दिन के नाम पर लड़ा था। उस समय सामूहिक नेतृत्व के अंतर्गत सभी भाजपा नेताओं के फोटो चुनाव प्रचार में लगाए गए थे। 2019 का लोकसभा चुनाव पुलवामा, बालाकोट और राष्ट्रवाद की अपील पर लड़ा गया था। उस समय से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार का मुख्य हिस्सा बन गए थे। 2024 का लोकसभा चुनाव अब यह मोदी की गारंटी के नाम पर लड़ा जा रहा है। सभी 543 लोकसभा की सीट का चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर लड़ा जा रहा है। पार्टी के प्रत्याशी और प्रादेशिक नेताओं का भी कोई महत्व नहीं रहा। भारतीय जनता पार्टी के चुनाव प्रचार में इस बार नौकरी, महंगाई, आर्थिक विषमता, हिंदुत्व, राष्ट्रवाद इत्यादि का मुद्दा गोंड़ हो गया है। पूरी पार्टी एक ही व्यक्ति पर केंद्रित हो गई है। भारतीय जनता पार्टी एक व्यक्ति के नाम से चलेगी, इसे कभी सोचा भी नहीं गया था। भाजपा के कोर वोटर इससे हैरान और परेशान हैं। भाजपा के लोकसभा उम्मीदवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तय किए हैं। इसमें संघ और संगठन की भूमिका नगण्य रही है। अन्य दलों से आए हुए नेताओं को भाजपा का उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा और संघ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएसपी है। चुनाव प्रचार अभियान में मोदी गारंटी के नाम पर प्रचार किया जा रहा है। भाजपा ने साम-दाम-दंड-भेद, पार्टी की जीत के लिए, विचारधारा को आले में रखकर भूल गए हैं। भाजपा में अब मोदी आधारित राजनीति की जा रही है। जिसके कारण भाजपा के अंदर ही अंदर निष्ठावान कार्यकर्ता, पार्टी के बदलते हुए स्वरूप को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। इसका असर प्रथम चरण के चुनाव में दिखा है।

कर्नाटक में मोदी के नाम पर चुनाव लड़ा गया था। जहां भाजपा की करारी पराजय हुई। हिमाचल प्रदेश में भी पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा। जब पार्टी चुनाव हारती है, तो ठीकरा संगठन के ऊपर फोड़ा जाता है। पार्टी यदि चुनाव जीत जाती है, तो उसका श्रेय नरेंद्र मोदी को दे दिया जाता है। लोकसभा के चुनाव मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर जनादेश मांगा जा रहा है। चुनाव प्रचार के इस अभियान में पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता गायब हैं। कल जब मोदी के विकल्प की जरूरत पार्टी को होगी, तो पार्टी के अंदर कौन है, जिसके नाम पर या जिसको आगे करके भाजपा संगठन चुनाव लड़ सके। पार्टी के अंदर खाने में इसकी चर्चा होने लगी है। व्यक्ति केंद्रित राजनीति के नए दौर से भाजपा गुजर रही है। हमेशा से भाजपा और संघ इसका विरोध करता रहा है। भविष्य की आशंकाओं को लेकर भाजपा संगठन और संघ में तीव्र अंतर विरोध देखने को मिल रहा है। इसकी परणति किस रूप में होगी, अभी कहना मुश्किल है। संघ और संगठन में जिस तरह से व्यक्तिवाद हावी हो गया है, उसके कारण संघ परिवार की चिंता भी बढ़ गई है। जो गलती कांग्रेस ने कई दशकों के बाद की थी। जिसके कारण 1990 के बाद से कांग्रेस का संगठन ही छिन्न-भिन्न हो गया। उसी रास्ते पर अब भारतीय जनता पार्टी भी चल पड़ी है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का नियंत्रण भी भाजपा संगठन में वैसा नहीं रहा, जो 2014 के पहले हुआ करता था।

शांति और अहिंसा के प्रेरणास्रोत : भगवान महावीर

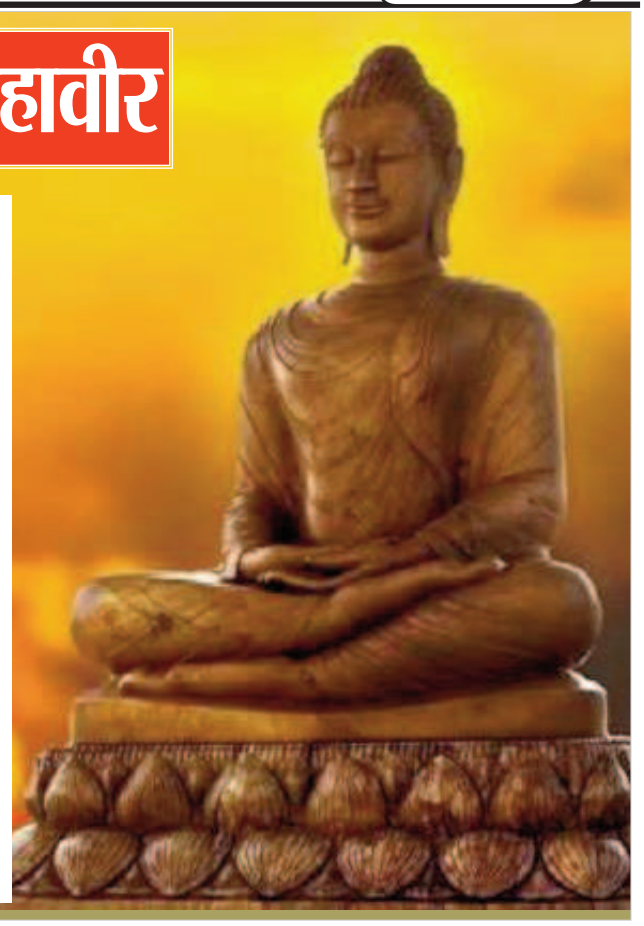

(लेखक- संजय गोस्वामी/)

(महावीर जयंती)

महावीरजी की 28 वर्ष की उम्र में इनके माता-पिता का देहान्त हो गया। ज्येष्ठ बंधु नंदिवर्धन के अनुरोध पर वे दो बरस तक घर पर रहे। बाद में तीस बरस की उम्र में वर्द्धमान ने श्रामणी दीक्षा ली। वे समण बन गए। उनके शरीर पर परिग्रह के नाम पर एक लँगोटी भी नहीं रही। अधिकांश समय वे ध्यान में ही मग्न रहते। हाथ में ही भोजन कर लेते, गृहस्थों से कोई चीज नहीं माँगते थे। धीरे-धीरे उन्होंने पूर्ण आत्मसाधना प्राप्त कर ली।करीब ढाई हजार साल पुरानी बात है। ईसा से 599 वर्ष पहले वैशाली गणतंत्र के क्षत्रिय कुण्डलपुर में पिता सिद्धार्थ और माता त्रिशला के यहाँ तीसरी संतान के रूप में चैत्र शुक्ल तेरस को वर्द्धमान का जन्म हुआ। यही वर्द्धमान बाद में स्वामी महावीर बना। महावीर को वीर, अतिवीर और सन्मति भी कहा जाता है। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले का आज का जो बसाढ़ गाँव है वही उस समय का वैशाली था।वर्द्धमान को लोग सज्जंस (श्रेयांस) भी कहते थे और जसस (यशस्वी) भी। वे ज्ञातृ वंश के थे। गोत्र था कश्यप। वर्द्धमान के बड़े भाई का नाम था नंदिवर्धन व बहन का नाम सुदर्शना था। वर्द्धमान का बचपन राजमहल में बीता। वे बड़े निर्भीक थे। आठ बरस के हुए, तो उन्हें पढ़ाने, शिक्षा देने, धनुष आदि चलाना सिखाने के लिए शिल्प शाला में भेजा गया। श्वेताम्बर सम्प्रदाय की मान्यता है कि वर्द्धमान ने यशोदा से विवाह किया था। उनकी बेटी का नाम था अयोज्जा (अनवद्या)। जबकि दिगम्बर सम्प्रदाय की मान्यता है कि वर्द्धमान का विवाह हुआ ही नहीं था। वे बाल ब्रह्मचारी थे। राजकुमार वर्द्धमान के माता-पिता जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ, जो महावीर से 250 वर्ष पूर्व हुए थे, के अनुयायी थे। वर्द्धमान महावीर ने चातुर्याम धर्म में ब्रह्मचर्य जोड़कर पंच महाव्रत रूपी धर्म चलाया। वर्द्धमान सबसे प्रेम का व्यवहार करते थे। उन्हें इस बात का अनुभव हो गया था कि इन्द्रियों का सुख, विषय-वासनाओं का सुख, दूसरों को दुःख पहुँचा करके ही पाया जा सकता है। श्वेताम्बर सम्प्रदाय की मान्यता है कि वर्द्धमान ने यशोदा से विवाह किया था। उनकी बेटी का नाम था अयोज्जा (अनवद्या)। जबकि दिगम्बर सम्प्रदाय की मान्यता है कि वर्द्धमान का विवाह हुआ ही नहीं था। वे बाल ब्रह्मचारी थे। राजकुमार वर्द्धमान के माता-पिता जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ, जो महावीर से 250 वर्ष पूर्व हुए थे, के अनुयायी थे। वर्द्धमान महावीर ने चातुर्याम धर्म में ब्रह्मचर्य जोड़कर पंच महाव्रत रूपी धर्म चलाया। वर्द्धमान सबसे प्रेम का व्यवहार करते थे। उन्हें इस बात का अनुभव हो गया था कि इन्द्रियों का सुख, विषय-वासनाओं का सुख, दूसरों को दुःख पहुँचा करके ही पाया जा सकता है। वर्द्धमान महावीर ने 12 साल तक मौन तपस्या की और तरह-तरह के कष्ट झेले। अन्त में उन्हें केवलज्ञान प्राप्त हुआ। केवलज्ञान प्राप्त होने के बाद भगवान महावीर ने जनकल्याण के लिए उपदेश देना शुरू किया। अर्धमागधी भाषा में वे उपदेश करने लगे ताकि जनता उसे भलीभाँति समझ सके।भगवान महावीर ने अपने प्रवचनों में अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह पर सबसे अधिक जोर दिया। त्याग और संयम, प्रेम और करुणा, शील और सदाचार ही उनके प्रवचनों का सार था। भगवान महावीर ने श्रमण और श्रमणी, श्रावक और श्राविका, सबको लेकर चतुर्विध संघ की स्थापना की। उन्होंने कहा- जो जिस अधिकार का हो, वह उसी वर्ग में आकर सम्यक्त्व पाने के लिए आगे बढ़े। जीवन का लक्ष्य है समता पाना। धीरे-धीरे संघ उन्नति करने लगा। देश के भिन्न-भिन्न भागों में घूमकर भगवान महावीर ने अपना पवित्र संदेश फैलाया। भगवान महावीर ने 72 वर्ष की अवस्था में ईसापूर्व 527 में पावापुरी (बिहार) में कार्तिक (आश्विन) कृष्ण अमावस्या को निर्वाण प्राप्त किया। इनके निर्वाण दिवस पर घर-घर दीपक जलाकर दीपावली मनाई जाती है।भगवान महावीर ने उपदेश दिया कि व्यक्ति को हर जीवित प्राणी के प्रति दयाभाव रखने चाहिए, घृणा नहीं। घृणा से हम केवल अपना विनाश करते हैं, इसलिए घृणा का त्याग करें। क्रोध हमेशा अधिक क्रोध को जन्म देता है और स्वयं के विनाश का कारण भी बनता है। जबकि क्षमा व प्रेम द्वारा व्यक्ति को सम्मान प्राप्त होता है।

भगवान महावीर की अमृतवाणी

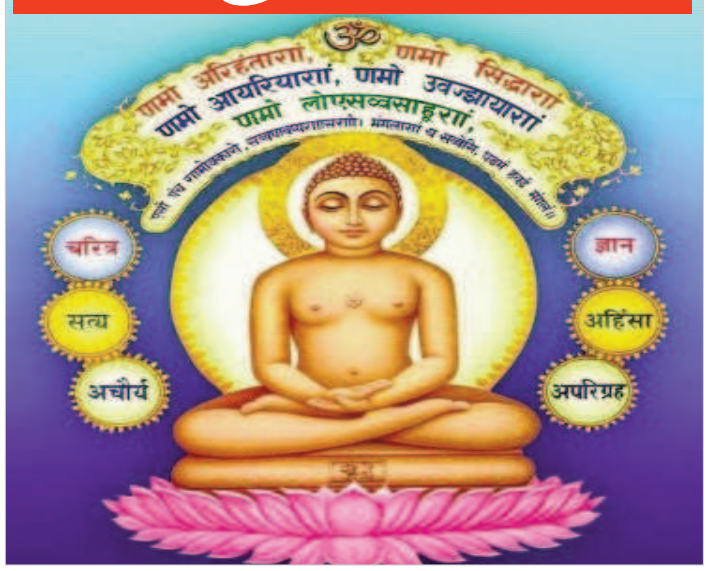

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

'अहिंसा परमो धर्मः'

सिद्धांत के लिए जाने जाते रहे भगवान महावीर का अहिंसा दर्शन आज के समय में सर्वाधिक प्रासंगिक और जरूरी हो गया है क्योंकि वर्तमान समय में मानव अपने स्वार्थ के वशीभूत कोई भी अनुचित कार्य करने और अपने फायदे के लिए हिंसा के लिए भी तत्पर दिखाई देता है। आज के परिवेश में हम जिस प्रकार की समस्याओं और जटिल परिस्थितियों में घिरे हैं, उन सभी का समाधान भगवान महावीर के सिद्धांतों और दर्शन में समाहित है। अपने जीवनकाल में उन्होंने ऐसे अनेक उपदेश और अमृत वचन दिए, जिन्हें अपने जीवन तथा आचरण में अमल में लाकर हम अपने मानव जीवन को सार्थक बना सकते हैं। आइए डालते हैं भगवान महावीर के ऐसे ही अमृत वचनों पर नजर:-

- संसार के सभी प्राणी बराबर हैं, अतः हिंसा को त्यागिए और 'जीओ व जीने दो' का सिद्धांत अपनाइए।
- जिस प्रकार अणु से छोटी कोई वस्तु नहीं और आकाश से बड़ा कोई पदार्थ नहीं, उसी प्रकार अहिंसा के समान संसार में कोई महान् व्रत नहीं।
- जो मनुष्य स्वयं प्राणियों की हिंसा करता है या दूसरों से हिंसा करवाता है अथवा हिंसा करने वालों का समर्थन करता है, वह जगत में अपने लिए वैर बढ़ाता है।
- धर्म उत्कृष्ट मंगल है और अहिंसा, तप व संयम उसके प्रमुख लक्षण हैं। जिन व्यक्तियों का मन सदैव धर्म में रहता है, उन्हें देव भी नमस्कार करते हैं।
- मानव व पशुओं के समान पेड़-पौधों, अग्नि, वायु में भी आत्मा वास करती है और पेड़ पौधों में भी मनुष्य के समान दुख अनुभव करने की शक्ति होती है।
- संसार में प्रत्येक जीव अवध्य है, इसलिए आवश्यक बताकर की जाने वाली हिंसा भी हिंसा ही है और वह जीवन की कमजोरी है, वह अहिंसा कभी नहीं हो सकती।
- जिस जन्म में कोई भी जीव जैसा कर्म करेगा, भविष्य में उसे वैसा ही फल मिलेगा। वह कर्मानुसार ही देव, मनुष्य, नारक व पशु-पक्षी की योनि में भ्रमण करेगा।
- कर्म स्वयं प्रेरित होकर आत्मा को नहीं लगते बल्कि आत्मा कर्मों को आकृष्ट करती है।
- जिस मनुष्य का मन सदैव अहिंसा, संयम, तप और धर्म में लगा रहता है, उसे देवता भी नमस्कार करते हैं।
- धर्म का स्थान आत्मा की आंतरिक पवित्रता से है, बाह्य साधन धर्म के एकान्त साधक व बाधक नहीं हो सकते।
- संसार का प्रत्येक प्राणी धर्म का अधिकारी है।
- क्रोध प्रेम का नाश करता है, मान विषय का, माया मित्रता का नाश करती है और लालच सभी गुणों का। जो व्यक्ति अपना कल्याण चाहता है, उसे पाप बढ़ाने वाले चार दोषों क्रोध, मान, माया और लालच का त्याग कर देना चाहिए।
- रूग्णजनों की सेवा-सुश्रुषा करने का कार्य प्रभु की परिचर्या से भी बढ़कर है।
- वासना, विकार व कर्मजाल को काटकर नारी व पुरूष दोनों समान रूप से मुक्ति पाने के अधिकारी हैं।
- जब तक कर्म बंधन है, तब तक संसार मिट नहीं सकता। गति भ्रमण ही संसार है।
- छोटे-बड़े किसी भी प्राणी की हिंसा न करना, बिना दी गई वस्तु स्वयं न लेना, विश्वासघाती असत्य न बोलना, यह आत्मा निग्रह सद्पुरूषों का धर्म है।
- ज्ञानी होने का यही एक सार है कि वह किसी भी प्राणी की हिंसा न करे। यही अहिंसा का विज्ञान है।
- जो लोग कष्ट में अपने धैर्य को स्थिर नहीं रख पाते, वे अहिंसा की साधना नहीं कर सकते। अहिंसक व्यक्ति तो अपने से शत्रुता रखने वालों को भी अपना प्रिय मानता है।
- संसार में रहने वाले चल और स्थावर जीवों पर मन, वचन एवं शरीर से किसी भी तरह के दंड का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
- ब्राह्मण कुल में पैदा होने के बाद यदि कर्म श्रेष्ठ हैं, वही व्यक्ति ब्राह्मण है किन्तु ब्राह्मण कुल में जन्म लेने के बाद भी यदि वह हिंसाजन्य कार्य करता है तो वह ब्राह्मण नहीं है जबकि नीच कुल में पैदा होने वाला व्यक्ति अगर सुआचरण, सुविचार एवं सुकृत्य करता है तो वह ब्राह्मण है।
- प्रत्येक प्राणी एक जैसी पीड़ा का अनुभव करता है और हर प्राणी का एकमात्र लक्ष्य मुक्ति ही है।
- आत्मा शरीर से भिन्न है, आत्मा चेतन है, आत्मा नित्य है, आत्मा अविनाशी है। आत्मा शाश्वत है। वह कर्मानुसार भिन्न-भिन्न योनियों में जन्म लेती है।

(लेखक साहित्य एवं पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

विश्व शांति के लिये

भगवान महावीर का अहिंसा संदेश आज भी प्रासंगिक

▸▸ लेखक - विजय कुमार जैन ▸▸ महावीर जन्मोत्सव पर विशेष

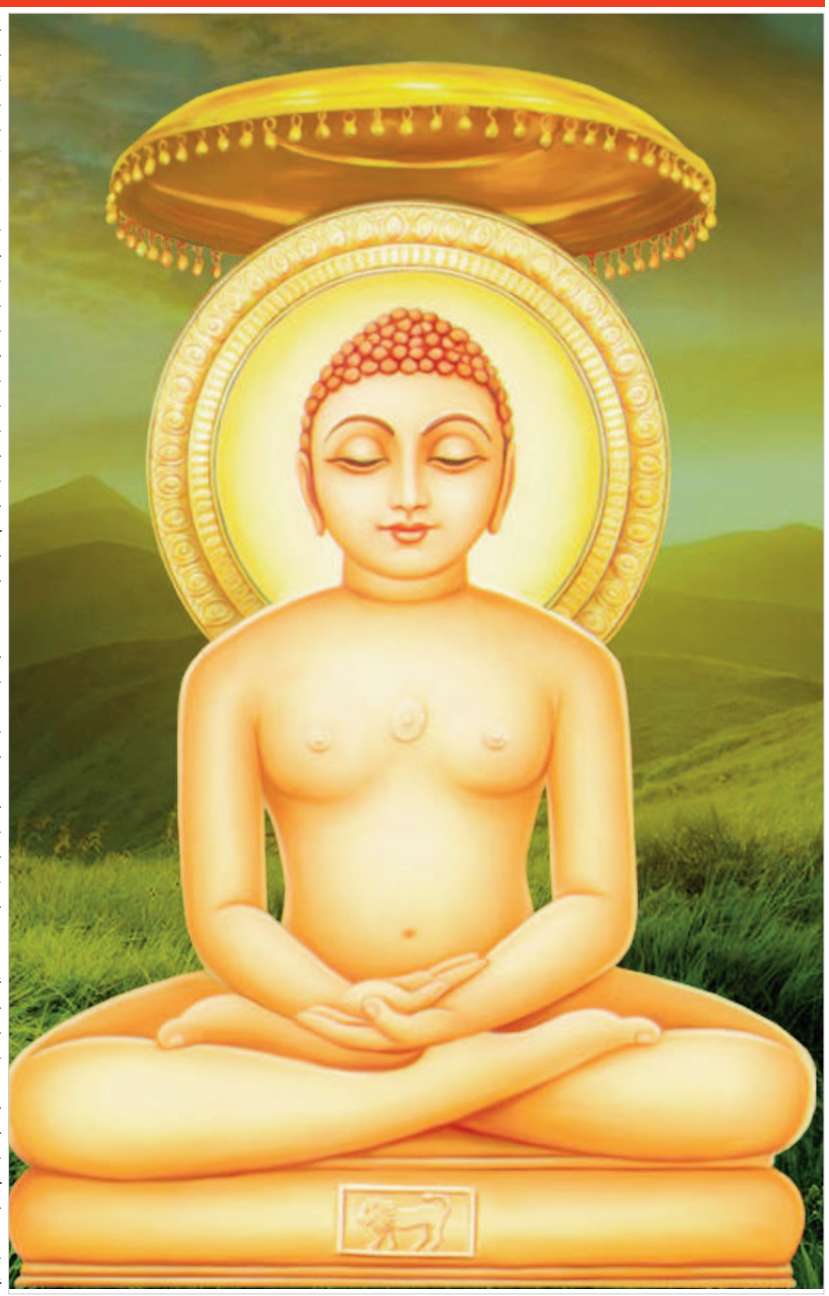

अहिंसा के अवतार युगदृष्टा भगवान महावीर का जन्मोत्सव हम मना रहे हैं। भगवान महावीर एक युग पुरुष, युग दृष्टा, एक महामानव थे। वे जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर थे। क्षत्रिय राज कुमार होने के बावजूद भी उन्होंने कभी विश्व विजय का सपना नहीं देखा। जिस समय भगवान महावीर का अवतरण हुआ, दुनिया में हिंसा और अत्याचार का बोल बाला था। महाबीर ने विषम परिस्थिति में सच्चा मार्ग दुनिया को दिखलाया। आपने प्राणीमात्र के सुख के लिये जिओ और जीने दो का अमूल्य मंत्र दिया। वर्तमान में भगवान महावीर के जन्मोत्सव के अवसर हम पीछे मुड़कर देखें तो पिछले तीन वर्ष से सारी दुनिया कोरोना से पीड़ित रही है। कहते हैं चीन में आम आदमी ने जहरीले जीव जन्तुओं को अपनी जिव्हा का स्वाद बढ़ाने उनका वेरहमी से भक्षण किया, यह भी आरोप है कि कोरोना महामारी का शुभारंभ सन 2019 में चीन से हुआ, और यह महामारी सारी दुनिया में आग की तरह फैल गई। सभी ओर से आबाज आ रही है हिंसा और मांसाहार को त्याग कर ही कोरोना जैसी जानलेवा महामारी से बचा जा सकता हैं। इस महामारी से लड़ने भगवान महाबीर का अहिंसा शाकाहार सिद्धांत प्रासंगिक है। शाकाहारी समाज के लिये यह सुखद संदेश है कोरोना महामारी से पीड़ित दुनिया के लगभग सभी देशों में स्वस्थ्य रहने मांसाहार त्याग कर शाकाहार को स्वीकार किया जा रहा है।

विश्व प्रेम ही भगवान महावीर का दिव्य संदेश है। भगवान महावीर के इसी सिद्धांत को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने जीवन का मूलमंत्र माना था। हमारे भारत की यह नीति है किसी दूसरे देश की भूमि मत हड़पो। सन 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान युद्ध में पश्चिमी पाकिस्तान जीतकर उस पर कब्जा न कर स्वतंत्र बंगलादेश बनाया।

भगवान महावीर का मंगल उपदेश था, पाप से घ्रणा करो, न कि पापी से। उन्होंने विरोधी को कभी विरोध से नहीं वरन सद्भावना एवं शांति से जीता। भगवान महावीर ने दुनिया को अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का पावन संदेश दिया, इस मार्ग पर चलकर उन्होंने सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त किया। उन्होंने अपना कल्याण किया एवं मोक्ष मार्ग बताया। भगवान महावीर ने कहा-आत्मा के चार बड़े शत्रु हैं काम, क्रोध,लोभ और मोह। इनके चक्कर में पड़ा हुआ व्यक्ति जीवन में कभी अच्छे कार्य नहीं कर पाता। स्व कल्याण के लिये इन पर विजय प्राप्त करना बहुत आवश्यक है।

विश्ववंदनीय भगवान महावीर के जीवन एवं दर्शन का गहराई से अध्ययन करते हैं तो हम पाते हैं, वे किसी एक जाति या सम्प्रदाय के न होकर सम्पूर्ण मानव समाज की अमूल्य धरोहर हैं। वह सबके थे और सब उनके थे। वह स्वयं क्षत्रिय कुल में उत्पन्न हुए थे, उनके मुख्य गणधर इन्द्रभूति गौतम ब्राह्मण थे तथा उनकी धर्मसभा (समवशरण) में सभी धर्मों और जातियों के लोग उनकी दिव्य देशना, मंगल उपदेश सुनने के लिये आते थे। उन्हें केवल जैनों या जैन मंदिरों तक सीमित रखना उनके उद्दात एवं विराट व्यक्तित्व के प्रति अन्याय है वह जैन नहीं जिन थे। इन्द्रियजन्य वासनाओं और मनोजन्य कषायों को जीत लेते हैं,वे कहलाते हैं जिन। किसी का भी कल्याण जैन बनकर नहीं, जिन बनकर ही हो सकता है। भगवान महावीर ने कहा है त्याग व तपस्या से जीवन महान बनता है। श्रावकों को अपने आचरण में अहिंसा तथा जीवन में अपरिग्रह रखना चाहिए।

युग दृष्टा, अहिंसा, करुणा, परोपकार की पावन प्रेरणा देने वाले भगवान महावीर के जन्मोत्सव के पुनीत अवसर पर हमे चिंतन करने की आवश्यकता है। वर्तमान में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध,विश्व में बढ़ रहे अलगाववाद, आतंकवाद, सम्प्रदायवाद, हिंसा की निरंतर बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने भगवान महावीर के सिद्धांत प्रासंगिक हैं। महावीर के सिद्धांत प्राणीमात्र के लिए हितकारी हैं।आज हम त्याग, सेवा, परोपकार के मार्ग पर चलने के बजाय अपने-अपने स्वार्थों को पूरा करने में लिप्त हो गये हैं। वर्तमान में नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने के स्थान पर उन्हें गुमराह किया जा रहा है, नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से विमुख होकर पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण कर रही है। समाज का नेतृत्व करने बाले ही पतन के मार्ग चलने लगे तो नई पीढ़ी को कैसा आदर्श मिलेगा। क्रांतिकारी जैन संत समाधिस्थ मुनि तरुण सागर जी महाराज ने कड़वे प्रवचन करते हुए कहा था भगवान महावीर को जैन मंदिर की चार दीवारी से बाहर निकाल कर नगर के मुख्य चौराहे पर लाना होगा, तभी जनमानस भगवान महावीर जीवन दर्शन को समझ सकेगा।

दुनिया में सुख शांति की स्थापना करने के लिये हमें हर कीमत पर भगवान महावीर के बताये मार्ग पर चलना होगा। तभी भारत की प्राचीन संस्कृति और विरासत की रक्षा होगी। भारत ने कभी हिंसा में विश्वास नहीं किया। हमारा विश्वास भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलकर दूसरों की जान लेकर जीने में नहीं वरन अपनी जान की बाजी लगाकर दूसरों की रक्षा करने में है। अलगाव वाद,साम्राज्यवाद, तानाशाही से विश्व मुक्त हो इस हेतु भगवान महावीर द्वारा बताये मार्ग का अनुशरण करने में ही हम सबका कल्याण होगा। भगवान महावीर का जन्मोत्सव एवं निर्वाणोत्सव मनाकर हम आज औपचारिकता ही कर रहे हैं। आवश्यकता है उनके द्वारा बताये मार्ग पर चलने की।

भगवान महावीर के उपदेश को निम्न पंक्तियां सार्थक करती हैं-

मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवों से नित्य रहे,
दीन दुखी जीवों पर मेरे उर से करुणा स्त्रोत वहें।

(नोटः लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।)

केंद्रीय मंत्री ने ओपेक महासचिव से की बात, कच्चे तेल की कीमतों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ओपेक महासचिव हैथम अल-घैस के साथ बातचीत के दौरान कच्चा तेल बाजार में स्थिरता और समुचित कीमत के महत्व पर जोर दिया। पुरी ने चर्चा के दौरान कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में, भारत वैश्विक ऊर्जा बाजारों में संतुलन हासिल करने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत ओपेक के लिए दूसरा सबसे बड़ा आयातक है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान भारत ने ओपेक देशों से 120 अरब डॉलर के कच्चे तेल, एलपीजी, एलएनजी और पेट्रोलियम उत्पादों का आयात किया। इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ मिसाइल हमला शुरू करने के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में तीन डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी हुई, जिससे भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने की आशंका बढ़ गई, जिससे कच्चे तेल के शिपमेंट में बाधा आ सकती है। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत बढ़कर लगभग 90 डॉलर प्रति बैरल हो गई। अमेरिका का वेस्ट टेक्सास लगभग 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था। अमेरिकी भंडार बढ़ने और धीमी अर्थव्यवस्था के कारण चीनी मांग में गिरावट के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 87 डॉलर प्रति बैरल तक गिर गई थी। चूंकि भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकता का 85 प्रतिशत से अधिक आयात करता है, वैश्विक तेल की कीमतों में तेज वृद्धि से देश आयात खर्च बढ़ सकता है और विदेशी मुद्रा के बड़े व्यय के कारण रुपया कमजोर हो सकता है।

आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटैल को बोर्ड से मिली डिमर्जर की मंजूरी

मुंबई । आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड के निदेशक मंडल ने मदुरा फैशन एंड लाइफस्टाइल कारोबार को अलग करने की मंजूरी दे दी है। कंपनी ने बताया कि उसकी योजना कंपनी के अलग होने के 12 महीनों के भीतर 2,500 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी जुटाने की है। बयान के अनुसार एबीएफआरएल के निदेशक मंडल ने हाल ही में हुई बैठक में आदित्य बिड़ला लाइफस्टाइल ब्रांड्स लिमिटेड (एबीएलबीएल) के अलग होने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। विभाजित होने की प्रक्रिया पूरी होने पर एबीएलबीएल अलग से सूचीबद्ध होगी। एबीएफआरएल ने कहा कि इस प्रक्रिया को एनसीएलटी व्यवस्था योजना के माध्यम से लागू किया जाएगा और इसके पूरा होने पर एबीएफआरएल के सभी शेयरधारकों के पास दोनों कंपनियों में समान शेयरधारिता होगी। कंपनी ने बयान में कहा कि प्रक्रिया के पूरा होने के 12 महीनों के भीतर एबीएफआरएल ने अपने बहीखाते को मजबूत करने और शेष इकाइयों की वृद्धि को जरूरी कोष उपलब्ध कराने के लिए 2,500 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी जुटाने की योजना बनाई है। मदुरा फैशन एंड लाइफस्टाइल व्यवसाय में चार फास्ट फैशन ब्रांड लुई फिलिप, वैन ह्यूसेन, एलन सोली और पीटर इंग्लैंड के साथ-साथ अमेरिकन ईगल और फॉरएवर 21 जैसे कैजुअल वियर ब्रांड शामिल हैं। इसके पास स्पोर्ट्सवियर ब्रांड रीबॉक और वैन ह्यूसेन के तहत इनरवियर व्यवसाय के लिए एक ब्रांड लाइसेंस भी है, जिसे एक अलग सूचीबद्ध इकाई में विभाजित किया जाएगा।

सनड्रीम नोएडा परियोजना में 250 करोड़ का करेगी निवेश

नोएडा । रियल एस्टेट कंपनी सनड्रीम ग्रुप ने कहा कि वह वित्त वर्ष 2024-25 में अपनी नोएडा स्थित परियोजना एंथुरियम बिजनेस पार्क में 250 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी सेक्टर 73 स्थित इस परियोजना के पहले चरण में 250 करोड़ रुपये का निवेश कर चुकी है। एक बयान के मुताबिक ताजा निवेश पहले चरण के निवेश के अतिरिक्त है और अब दूसरे चरण का निर्माण शुरू हो गया है। कंपनी ने बताया कि परियोजना की कुल अनुमानित लागत 522 करोड़ रुपये है। सनड्रीम ग्रुप के एक वरिष्ठ अधिकारी

बजाज समूह करेगा बजाज ऑटो क्रेडिट में 2 हजार करोड़ का निवेश

मुंबई ।

देश के अग्रणी कॉरपोरेट समूहों में शुमार बजाज ग्रुप की बजाज ऑटो ने अपनी इकाई बजाज ऑटो क्रेडिट में 2 हजार करोड़ से अधिक का निवेश की घोषणा की है। बजाज ऑटो को ऑटो सेक्टर में लोन देने वाली अपनी इकाई बजाज ऑटो क्रेडिट में 2250 करोड़ रुपये निवेश करने की मंजूरी मिल गई है। एक्सचेंज फाइलिंग में बताया गया है कि बजाज ऑटो के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स से निवेश की मंजूरी मिली है। बता दें, बजाज ऑटो क्रेडिट, बजाज ऑटो के पूर्ण मालिकाना हक वाली ईकाई है। बजाज ऑटो क्रेडिट, बजाज ऑटो और इसकी सब्सिडियरीज की गाड़ियों को खरीदने के लिए ग्राहकों को लोन की सुविधा मुहैया करती है। कंपनी की वित्तीय सेहत की बात करें, तब वित्त वर्ष 2023-24 के लिए इसका टर्नओवर 16.65 करोड़ रुपये था। वहीं इसकी नेटवर्थ 258 करोड़ रुपये है। वहीं बजाज ऑटो जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ साल-दर-साल 35.1 प्रतिशत बढ़कर 1,936 करोड़ हो गया। इस प्रभावशाली प्रदर्शन का श्रेय बढ़ी हुई मात्रा, उच्च-मार्जिन वाले उत्पादों की अधिक हिस्सेदारी, जैसे फैक्टर्स को जाता है। बजाज

ऑटो के शेयर 2 प्रतिशत से अधिक उछलकर 9,129 प्रति शेयर के इंट्राडे हाई पर पहुंच गए। इस वर्ष अब तक स्टॉक की कीमत 33 प्रतिशत से अधिक और पिछले 30 सत्रों में लगभग 7 प्रतिशत बढ़ी है।

सिप्ला पर 1.83 करोड़ रुपए का जुर्माना

मुंबई ।

दवा कंपनी सिप्ला ने कहा कि उत्पाद शुल्क से जीएसटी व्यवस्था में जाने के दौरान शिक्षा उपकर पर अमान्य क्रेडिट (ट्रांजिशनल) का दावा करने के लिए जीएसटी प्राधिकरण ने उस पर 1.83 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। सिप्ला ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी को सीजीएसटी एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क, मुंबई, महाराष्ट्र के प्रधान आयुक्त से 1,83,17,388 रुपए का जुर्माना लगाने का आदेश मिला है। यह आदेश केंद्रीय माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 और महाराष्ट्र माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 के प्रावधानों के तहत जारी किया गया। यह आदेश जारी करते हुए जीएसटी प्राधिकरण ने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2017-18 में उत्पाद शुल्क व्यवस्था से जीएसटी व्यवस्था में जाने के दौरान शिक्षा उपकर पर संक्रमणकालीन यानी ट्रांजिशनल क्रेडिट का दावा किया है, जो मान्य नहीं था। प्राधिकरण ने जुर्माने के साथ इसकी वसूली का आदेश दिया। सिप्ला ने कहा कि तथ्यों के आकलन और प्रचलित कानून के आधार पर वह इस संबंध में अपीलीय प्राधिकार के पास अपील दायर करेगी। कंपनी ने यह भी कहा कि उक्त आदेश के कारण उसकी वित्तीय स्थिति या परिचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

आईफोन मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में हिस्सेदारी खरीद सकता है टाटा समूह

नई दिल्ली । टाटा समूह भारत में आईफोन का मैन्युफैक्चरिंग करने वाली पेगाट्रॉन कॉरपोरेशन पेगाट्रॉन के साथ डील कर सकता है। जानकारी के मुताबिक ऐसा कहा जा रहा है कि ये डील मई महीने में फाइनल हो सकती है। अगर ये डील होती है तो माना जा रहा है कि एपल इंक और टाटा ग्रुप के बीच के संबंध और मजबूत होंगे। एपल का हैंडसेंट एसेंबल करने वाली इस ताइवानी कंपनी में कंट्रोलिंग स्टेक खरीदने का प्रोसेस अंतिम चरण में हैं। बता दें कि आईफोन का प्रोडक्शन प्लांट चेन्नई के पास है, जबकि एक और प्लांट लगाने के लिए काम चल रहा है। सूत्रों के मुता बिक इस डील के बाद पेगाट्रॉन टाटा ग्रुप को मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में मदद कर सकती है। डील पूरी होने के बाद टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड पेगाट्रॉन के ऑपरेशंस को चलाएगी। बता दें कि इससे पहले भी दोनों इकाइयों के बीच बातचीत की खबरें आई थीं। वहीं इस ताजा खबर को लेकर टाटा ग्रुप और पेगाट्रॉन की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

घरेलू शेयर बाजारों में पूरे हफ्ते गिरावट बनी रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में युद्ध की आशंका ही हावी रही। ईरान और इजरायल के तनाव के बीच बाजार में गिरावट देखने को मिली। एफआईआईएस ने जोरदार बिकवाली की, जिससे दुनिया भर के बाजारों में गिरावट नजर आई। घरेलू शेयर बाजारों में पूरे हफ्ते गिरावट बनी रही। बीते सप्ताह बुधवार को रामनवमी पर्व के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने की वजह से पांच में से केवल चार दिन ही घरेलू शेयर बाजार में कारोबार हुआ। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार में भारी बिकवाली दिख रही है। इस दौरान प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी फिसल गए हैं। बीएसई का सेंसेक्स 757.55 अंकों की गिरावट के साथ 73,487.35 पर खुला और 845.12 अंकों की गिरावट के साथ 73,399.78 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 242.61 टूटकर 22,276.80 के स्तर पर खुला और 246.91 अंक टूटकर 22,272.50 पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को शेयर बाजार में एक बार फिर कमजोर शुरुआत हुई है। सेंसेक्स 346.34 अंकों की कमजोरी के साथ 73,071.29 पर खुला और 461.78 अंकों की बढ़त के साथ 72,938.00 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 93.35 अंक फिसलकर 22,179.15 पर खुला और 124.60 अंक फिसलकर 22,147.90 पर बंद

हुआ। गुरुवार को बाजार के प्रमुख इंडेक्स हरे निशान पर कारोबार करते दिखे। सेंसेक्स 14.50 अंक फिसलकर 72,924.01 पर खुला और 454.69 अंकों की गिरावट के साथ 72,488.99 के स्तर पर बंद हुआ।

निफ्टी 18.35 अंकों की बढ़त के साथ 22,166.25 पर खुला और -152.06 अंक टूटकर 21,995.85 पर बंद हुआ। लगातार पांचवें दिन प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे। शुक्रवार को सेंसेक्स करीब 600 अंक फिसलकर 72,000 पर खुला और 599.34 अंकों की बढ़त के साथ 73,088.33 पर बंद हुआ। निफ्टी करीब 150 अंक टूटकर 21800 पर खुला और 151.16 अंक मजबूत होकर 22,147.00 पर बंद हुआ।

नारायण मूर्ति का 5 महीने का पोता बना करोड़पति

- डिविडेंड के रूप में मिलेंगे 4.2 करोड़ रुपए

नई दिल्ली ।

इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति के पांच महीने के पोते एकाग्र रोहन मूर्ति को हाल ही में उनके दादा ने उन्हें 15 लाख शेयर तोहफ़े में दिए थे। अब इन शेयरों ने एकाग्र को करोड़पति बना दिया है। दरअसल, इंफोसिस कंपनी ने हाल ही में 28 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से बंपर अंतिम और स्पेशल डिविडेंड की घोषणा की है। यानी कि एकाग्र को इन शेयरों से कुल मिलाकर 4.20 करोड़ रुपये का फायदा होगा। इतनी कम उम्र में इतनी बड़ी रकम हासिल करने के चलते एकाग्र भारत की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी का सबसे कम उम्र का करोड़पति शेयरधारक बन गया है। गौरतलब है कि जब नारायण मूर्ति ने अपने पोते को 15 लाख शेयर गिफ्ट किए थे तब उनकी कीमत 240 करोड़ रुपये थी। कंपनी के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2024 के लिए शेयरधारकों को डिविडेंड देने की सिफारिश की है। डिविडेंड दो भागों में दिया जाएगा 20 रुपये प्रति शेयर का अंतिम डिविडेंड और अतिरिक्त 8 रुपये प्रति शेयर का विशेष डिविडेंड। इस तरह कुल मिलाकर, इंफोसिस के शेयरधारकों को प्रति शेयर 28 रुपये का डिविडेंड मिलेगा। गौरतलब है कि यह कंपनी की पहले से घोषित पूंजी आवंटन नीति के तहत किया

जा रहा है, जिसके अनुसार कंपनी अपने फ्री कैश फ्लो का 85 फीसदी हिस्सा शेयरधारकों को लौटाने का वादा करती है। कंपनी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 31 मई, 2024 को आयोजित की जाएगी और लाभांश का भुगतान 1 जुलाई, 2024 को किया जाएगा। इस घोषणा से एनआर नारायण मूर्ति के पांच महीने के पोते एकाग्र रोहन मूर्ति को 4.2 करोड़ रुपये मिलेंगे। एकाग्र इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति के तीसरे पोते हैं। उनके माता-पिता रोहन मूर्ति और अपर्णा कृष्णन हैं।

दुबई में भारी बारिश से भारतीय विमानन कंपनियों का परिचालन प्रभावित

नई दिल्ली । दुबई में भारी बारिश और बाढ़ की वजह से वहां हवाई अड्डे पर व्यवधान आने के बाद भारतीय विमानन कंपनियों का परिचालन प्रभावित हुआ है। एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस और स्पाइसजेट ने दुबई हवाई अड्डे पर प्रतिबंध के कारण या तो अपनी सेवाएं रद्द कर दी हैं या उनका समय बदल दिया है। भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), विशेषकर दुबई के बीच व्यस्त हवाई यातायात है। दुबई हवाई अड्डा दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है। जहां एयर इंडिया ने हवाई अड्डे पर परिचालन संबंधी व्यवधानों का हवाला देते हुए दुबई से अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दीं, वहीं एयर इंडिया एक्सप्रेस और इंडिगो ने अपनी कुछ उड़ानें निरस्त कर दी हैं। सूत्रों ने बताया कि दुबई हवाईअड्डे ने एक नोटोम जारी किया है, जिसमें गैर-यूएई संचालकों द्वारा उड़ानों के संचालन को 21 अप्रैल की सुबह तक प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसके अनुसार 24 घंटे में दो से अधिक उड़ान वाले गैर-यूएई संचालकों को दी गई समयावधि के दौरान परिचालन में 50 प्रतिशत की कटौती करने के लिए कहा गया है। सूत्रों ने बताया कि नोटोम के बाद भारतीय वाहकों का उड़ान संचालन बाधित हो गया है और वे अपनी सेवाओं को रद्द और पुनर्निर्धारित कर रहे हैं। इस कदम से एयरलाइंस का परिचालन खर्च बढ़ेगा।

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क का भारत दौरा टला

- भारत में हो सकता है टेस्ला का प्रवेश

नई दिल्ली ।

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क का भारत दौरा फिलहाल टल गया है। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से इस बात की जानकारी दी गई है। बता दें कि मस्क 21 से 22 अप्रैल दो दिनों के लिए भारत के दौरे पर आने वाले थे। इस दौरान वे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात करने वाले थे। इस मुलाकात को लेकर मस्क ने खुद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके लिखा था कि के कि वे पीएम मोदी से मिलने के लिए उत्साहित हैं। वहीं मस्क के भारत दौरे को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं कि इस दौरे में भारत में टेस्ला का प्रवेश, निवेश और एक नई फैक्ट्री खोलने को लेकर कोई बड़ी घोषणाएं हो सकती हैं। ऐसा अनुमान था कि इस दौरे के बाद से उपग्रह आधारित मोबाइल ब्रॉडबैंड सेवा स्टारलिंक को देश में शुरू करने के एजेंडे को भी आगे बढ़ा सकते हैं। स्टारलिंक दुनिया के 70 देशों में पहले से ही सेवाएं दे रही है। कंपनी ने जीएमसीएस लाइसेंस के लिए नवंबर 2022 में आवेदन किया था लेकिन अभी तक उसे सरकार से हरी झंडी नहीं मिली है। मस्क के लिए यह उतार-चढ़ाव भरा सफर रहा है। 2021 में मस्क

ने देश में शोरूम खोलने और टेस्ला की कारें आयात कर देश में बेचने की योजना बनाई थी। इसके लिए टेस्ला ने बेंगलूरु में टेस्ला इंडिया मोटर्स ऐंड एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के नाम से पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक इकाई बनाई थी। इसे सरकार से कंपनी की दो कारों मॉडल 3 और मॉडल वाई के लिए होमोलॉगेशन प्रमाण पत्र भी मिल गया था। होमोलॉगेशन प्रमाणपत्र का मतलब है कि उक्त कारें भारत की सड़कों पर चलने के लिए उपयुक्त हैं।

विप्रो के 6 हजार कर्मचारियों की संख्या घटी

नई दिल्ली ।

आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी विप्रो के कर्मचारियों की संख्या मार्च तिमाही में 6,180 घट गई। आंकड़ों पर नजर डालें तो यह लगातार छठवीं तिमाही है, जब विप्रो के कर्मचारियों की संख्या में गिरावट देखी गई है। ये ऐसा समय जब है जब इस सेक्टर की कंपनियां कर्मचारियों के यूटिलाइजेशन को बेहतर बनाने और एट्रिशन रेट को कम करने पर फोकस कर रही हैं। विप्रो का एट्रिशन रेट तिमाही आधार पर 14.2 फीसदी के सपाट रहा। बता दें कि कर्मचारियों के खुद से नौकरी छोड़ने यानी रिजाइन करने की दर को एट्रिशन रेट कहते हैं। इससे पहले इंफोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज जैसी दूसरी बड़ी आईटी कंपनियों में यही दौर देखने को मिला था। टीसीएस में भी कर्मचारियों की संख्या में वित्त वर्ष 2024 में कमी आई थी, कंपनी के 13,249 कर्मचारी घटे थे। वहीं इंफोसिस के कर्मचारियों की संख्या में 25,994 की गिरावट आई। ये साल विप्रो के लिए चुनौती भरा रहा है। साल 2023 में कंपनी के टॉप मैनेजमेंट के करीब 10 फीसदी से अधिक कर्मचारियों ने नौकरियां छोड़ीं। इसमें कंपनी के चीफ ग्रोथ ऑफिसर स्टेफनी ट्रौटमैन, चीफ फाइनेंस ऑफिसर जतिन दलाल, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर संजीव सिंह, अमेरिका-2 बिजनेस के चीफ बिजनेस ऑफिसर नितिन वी जगनमोहन

आदि शामिल हैं। यहां तक इसके सीईओ थिएरी डेलापोर्टे ने भी हाल ही में कंपनी से अचनाक इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट

- पाकिस्तान के भी हालात ठीक नहीं

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह विदेशी निवेशकों के भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स 793 अंक टूट गया था। इसका असर देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर भी दिखा है। बीते 12 अप्रेल को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 5.401 बिलियन डॉलर गिरकर 643.162 बिलियन डॉलर का ही रह गया है। इससे पहले, पांच अप्रैल को समाप्त सप्ताह में अपना भंडार 648.562 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। पड़ोसी देश पाकिस्तान में भी हालात कुछ ठीक नहीं हैं। बीते 12 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी हुई है। यह ऑल टाइम हाई है। इससे पहले अक्टूबर 2021 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा था। रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियां में भी कमी हुई है। बीते 12 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा आस्तियां में 6.513 बिलियन की कमी हुई है। इन दिनों भारतीय रिजर्व बैंक सोने

का स्टॉक बढ़ा रहा है। तभी 12 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के स्वर्ण भंडार में बढ़ोतरी हुई है। इस सप्ताह गोल्ड रिजर्व में 124 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। अब अपना सोने का भंडार 55.798 बिलियन हो गया है। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखे हुए देश के मुद्रा भंडार में भी कमी हुई है। पड़ोसी देश पाकिस्तान में इस समय विदेशी मुद्रा की जबरदस्त किल्लत चल रही है। हालात ऐसे हैं कि वहां काम की चीजें मंगाने लायक भी विदेशी मुद्रा का भंडार नहीं बचा है। इसलिए बेहद संभल कर आयात करना पड़ता है। बीते 12 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां का विदेशी मुद्रा भंडार 48 मिलियन डॉलर घट गया। इससे पहले बीते 22 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के भंडार में बढ़ोतरी हुई थी। अब वहां 13.37 अरब डॉलर का ही विदेशी मुद्रा भंडार रह गया है।

देश के कुछ राज्यों में बढ़े पेट्रोल-डीजल के भाव

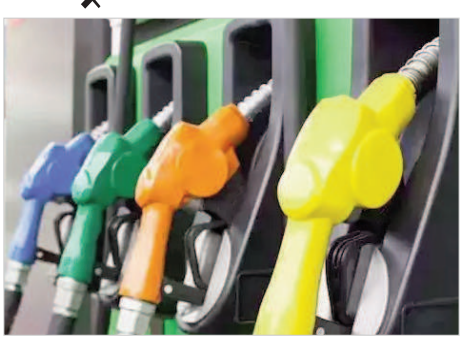

नई दिल्ली ।

इजरायल-ईरान के बीच बढ़ते तनाव से वैश्विक बाजार में कच्चे तेल में तेजी का रुख जारी है। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 90.20 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर बंद हुआ।

हालांकि क्रूड में आई इस तेजी का पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर ज्यादा असर देखने को नहीं मिला है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 20 अप्रैल के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतों को जारी कर दिया है। आंध्रा प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और गोवा में ईंधन की कीमतों में इजाफा हुआ है जबकि असम, बिहार, जम्मू-कश्मीर और कर्नाटक समेत अन्य राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटी हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.32 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 99.84 रुपये और डीजल 85.93 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.53 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 94.94 रुपये और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 106.06 रुपये और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर है।

पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस दोनों की जीत की राह पर लौटने उतरेगी आज

मुंबई (एजेंसी)। लगातार हार के बाद अंकतालिका में नीचे खिसकी चुकी पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस रविवार को जब आमने सामने होंगी। तब दोनों का इरादा जीत की राह पर लौटने का होगा। पूर्व चैम्पियन गुजरात टाइटंस पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स से हारने के बाद आठवें स्थान पर आ चुकी है। और चार मैचों में यह उसकी तीसरी हार थी। पंजाब किंग्स नौवें स्थान पर है जिसे मुंबई इंडियंस ने नौ रन से हराया। सात मैचों में पांच हार और दो जीत से टीम का आत्मविश्वास डिगा हुआ है, लेकिन विरोधी टीम का भी वहीं हाल है। पंजाब को प्रभावी कप्तान शिखर धवन की कमी खल रही है और उनका रविवार के मैच में खेल पाना निश्चित नहीं है। नकी जगह सैम कुरेन कप्तानी का जिम्मा संभाल रहे हैं। धवन ने पांच मैचोंमें 125.61 की औसत से 152 रन ही बनाए हैं, लेकिन उनकी मैदान पर मौजूदगी जीतने का तरीका भूल चुकी टीम के लिये टॉनिक का काम करती।

पिछली बार आठवें स्थान पर रही पंजाब के लिये इस बार भी कुछ बदलता नजर नहीं आ रहा। प्रभसिमरन सिंह, लियाम लिविंगस्टोन और रिली रोसोयू जैसे उसके बल्लेबाज अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके। शशांक और आशुतोष ने हालांकि निचले क्रम पर बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। गुजरात ने अभी तक तीन मैच जीते और चार हारे हैं। दिल्ली के खिलाफ शर्मनाक प्रदर्शन को भुलाकर गुजरात को नए सिरे से शुरूआत करनी होगी। कप्तान शुभमन गिल, साइ सुदर्शन, डेविड मिलर और राशिद खान जैसे सितारों की मौजूदगी के बावजूद टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। गेंदबाजी में मोहम्मद शमी की कमी खल रही है जबकि उमेश यादव काफी महंगे साबित हुए हैं।

टीम

गुजरात टाइटंस- शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, रॉबिन मिंज, केन विलियमसन, अभिनव मंधार, बी साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, विजय शंकर, अजमतुल्लाह उमरजई, शाहरुख खान, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, कार्तिक त्यागी, शशांत मिश्रा, स्पेंसर जॉनसन, नूर अहमद, साई किशोर, उमेश यादव, राशिद खान, जोशुआ लिटिल, मोहित शर्मा और मानव सुथार।

पंजाब किंग्स- शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व टाइडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, सैम कुरेन, कागिसो रबादा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया, विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी और रिली रोसेयु।

ऋषभ को टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में देखना चाहते हैं ब्रॉड

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा है कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जरुर शामिल किया जाना चाहिए। ब्रॉड के अनुसार आईपीएल में विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक और शिवम दुबे के बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए इन्हें भी टीम में जगह के लिए दावेदार माना जा रहा है पर उनका मानना है कि दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ की बात अलग है।

ब्रॉड ने कहा, भारतीय टीम के लिए चयन काफी कठिन होने वाला है। अभी भी कुछ ऐसे खिलाड़ी हैं जिनपर फैसला लेना है। ऋषभ ऐसे खिलाड़ी हैं जिनको लेकर बहुत बात हो रही है।

ब्रॉड ने आगे कहा, वह लंबे समय से खेल से दूर थे इसके बाद भी वह बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग काफी अच्छी कर रहे हैं। वह कप्तान है, विकेटकीपर है. वह तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर सकता है। मैं उन्हें कुछ मैचों में इंपैक्ट प्लेयर के रूप में भी देखना चाहूंगा पर जिस प्रकार से उसने केकेआर के खिलाफ खेला उससे लगा कि इस खिलाड़ी को विश्वकप में खेलना चाहिए। उनकी मैच को लेकर समझ शानदार है और वह एक मैच विजेता हैं। अगर मैं चयनकर्ता होता तो मैं उनको विश्व कप दल में जरुर रखता। ऋषभ ने कार हादसे से उबरकर वापसी करते हुए अपनी पहले वाली लय हासिल की है। उसे सत्र में जबरदस्त बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग की है। इस बल्लेबाज ने 33 टेस्ट में 43.67 के औसत से 2271, 30 एकदिवसीय में 34.60 के औसत से 865 और 66 टी20 में 22.43 के औसत से 987 रन अब तक बाये हैं। ये ऐसा बल्लेबाज है जो सभी प्रारुपों में तेज शॉट खेलने में सक्षम है।

धोनी जब मैदान में उतरते हैं गेंदबाज दवाब में आ जाते हैं

-मैदान पर फैंस का शोर भी अतिरिक्त दवाब बनाता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को खेले गए मैच में चेन्नई के खिलाफ लखनऊ ने जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 6 विकेट पर 176 रन का स्कोर बनाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे लखनऊ ने कप्तान केएल राहुल और क्विंटन डि कॉक की शानदार बल्लेबाजी के दम 19वें ओवर में ही 2 विकेट होकर लखनऊ ने जीत हासिल की। मैच खत्म होने के बाद लखनऊ के कप्तान केएल ने महेंद्र सिंह धोनी की बल्लेबाजी को लेकर बयान दिया। महेंद्र सिंह धोनी ने लखमऊ मैच में भी दमदार पारी खेली. 9 बॉल पर 3 चौके और 2 छक्के लगाकर 28 रन बनाए।

केएल राहुल ने बताया कि महेंद्र सिंह धोनी जब मैदान में उतरते हैं उनका खौफ गेंदबाजों के अंदर होता है। केएल ने बताया कि जैस ही धोनी मैदान के अंदर आए तो हमारे गेंदबाज दवाब में दिखने लगे। धोनी के अंदर ऐसा कुछ है जो विरोधी गेंदबाजों पर हावी हो जाता है। जब धोनी बल्लेबाजी करने उतरते हैं तो उनके फैंस का जैसा शोर होता है उससे ही गेंदबाजों पर अतिरिक्त दबाव बन जाता है। चेन्नई की टीम को खाते में 15 से 20 रन तो इसी वजह से ही जुड़ जाते हैं। उन्होंने कहा कि आज के मुकाबले में मुझे पता था कि चेन्नई टीम के स्पिनर हम पर दबाव बनाएंगे। मैंने उन गेंदबाजों का चयन कर रखा था जिनके खिलाफ आक्रमण करना है और यह काम भी किया। क्विंटन डि कॉक ने काफी अच्छी बल्लेबाजी की और बन नहीं आने दिया। इससे हम दोनों का ही काम आसान हो गया।

कमजोर गेंदबाजी के दम पर केकेआर से आज टक्कर लेगी आरसीबी

मुंबई (एजेंसी)। लगातार हार झेली रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को बखूबी पता है कि अब किसी गलती की गुजाइंश नहीं है। लिहाजा रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आरसीबी को हर हालत में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। लगातार हार के बाद आरसीबी का पहला आईपीएल खिताब जीतने का सपना टूटता दिख रहा है।

आईपीएल 2024 में पांच हार के बाद आरसीबी अंकतालिका में सबसे नीचे है, और प्लेआफ की उम्मीदें जिंदा रखने के लिए कोहली की टीम को बाकी सातों मैच जीतना होगा। आरसीबी की कमजोर कड़ी उसके गेंदबाज साबित हुए हैं और टीम पूरी तरह से विराट कोहली, फाफ डु प्लेसी और दिनेश कार्तिक की बल्लेबाजी पर निर्भर है। इसके बाद केकेआर की चुनौती उसके लिये काफी कठिन होगी। कप्तान फाफ डु प्लेसी ने कहा था, गेंदबाजी में हमारी तरकश में ज्यादा तीर नहीं है। इसकारण सारा दबाव बल्लेबाजों पर आता है। हम सिर्फ बड़े स्कोर बनाकर ही मैच जीत सकते हैं।''

सनराइजर्स हैदराबाद ने आरसीबी के खिलाफ ही टूर्नामेंट का सर्वोच्च स्कोर तीन विकेट पर 287 रन बनाया था। इस सत्र में सबसे महंगे 11 करोड़ 50 लाख रूपये में खरीदे गए अलजारी जोसफ ने तीन मैचों में एक ही विकेट लिया और 11.89 की इकॉनॉमी रेट से रन दिए। आस्ट्रेलियाई हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल भी फॉर्म के लिये जूझ रहे हैं, जिन्होंने मानसिक थकान का हवाला देकर सनराइजर्स के खिलाफ नहीं खेला। उनके कुल्हे की मांसपेशी में खिंचाव के कारण वह कुछ और मैचों में बाहर रह सकते हैं।

बल्लेबाजी में टीम कोहली, डुप्लेसी और कार्तिक पर ही निर्भर है। कोहली 72.20 की औसत से 361 रन बना चुके हैं, लेकिन 135 का स्ट्राइक रेट चिंता का विषय है। वह सातवें से 15वें ओवर के बीच स्पिनरों के सामने तेजी से रन नहीं बना पा रहे। कार्तिक ने 205 से अधिक की औसत से 226 रन बनाए हैं। सनराइजर्स के खिलाफ उन्होंने सिर्फ 35 गेंद में 83 रन बना डाले थे। इन तीनों का सामना अब सुनील नारायण, मिचेल स्टार्क और हर्षित राणा जैसे गेंदबाजों इस पर टिकी हैं।

रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला होगा। यह मैच

टीम

कोलकाता नाइट राइडर्स- श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंता चमीरा, साकिब हुसैन और मुजीब उर रहमान।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर - फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशक, आकाश दीप। मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरून ग्रीन, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, टॉम कुरेन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान।

केकेआर ने आरसीबी की तुलना में एक मैच कम खेला है और उसकी नजरें जीत की राह पर आने की है। नारायण ने सिर्फ गेंदबाजी ही नहीं बल्कि बल्लेबाजी में शानदार खेल खेला हैं। उन्होंने रॉयल्स के खिलाफ पिछले मैच में पहला टी20 शतक जमाया। उनका स्ट्राइक रेट भी 187 के करीब रहा है। फिल साल्ट ने 151 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। उनके पास रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल जैसे खतरनाक बल्लेबाज भी हैं।

मेजर क्रिकेट लीग में खेलेंगे मैक्सवेल

मुम्बई । ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल जुलाई में अमेरिका में होने वाली मेजर क्रिकेट लीग में खेलते हुए दिखेंगे। मैक्सवेल आईपीएल 2024 सत्र के बीच में ही शारीरिक और मानसिक थकान का हवाला देकर इससे अलग हो गये हैं। वह इस आईपीएल सत्र में गेंद और बल्ले से विफल रहे थे। मैक्सवेल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 11 करोड़ की मोटी रकम देकर खरीदा था। इसके बाद भी मैक्सवेल को मेजर लीग टीम वॉशिंगटन फ्रीडम ने अपनी टीम में शामिल किया है। ये लीग टी20 विश्व कप के बाद अमेरिका में खेली जाएगी। वॉशिंगटन फ्रीडम टीम में ऑस्ट्रेलिया के ही ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ भी खेलेंगेहैं। वहीं, टीम के कोच रिकी पोंटिंग होंगे। ये लीग 4 जुलाई से शुरू होगी। ये इस लीग का दूसरा सीजन होगा।वहीं आईपीएल से ब्रेक को लेकर मैक्सवेल ने कहा, मुझे कुछ दिन आराम की जरूरत पड़ेगी। मैं यहां पर अब भी हूं और यही ट्रेनिंग करूंगा। मैं अपने प्रदर्शन को बेहतर करने का प्रयास करुंगा।अगर मेरे लिए जगह होगी तो मैं जरूर उपलब्ध रहूंगा। मैं खेल से कुद समय बाहर रहने के बाद वापसी के प्रयास करुंगा। मैक्सवेल का प्रदर्शन इस आईपीएल सत्र में अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने 6 पारियों में केवल 32 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 5.33 का रहा है जबकि पिछले साल मैक्सवेल ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। मैक्सवेल ने पिछले साल 14 मैचों में 400 रन बनाए थे। उन्होंने 5 अर्धशतक लगाए थे।

पूरन को डाक्टरों ने दी थी क्रिकेट छोड़ने की सलाह

नई दिल्ली । वेस्टइंडीज के क्रिकेटर निकोलस पूरन आईपीएल में इस बार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। पूरन ने लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से खेलते हुए कई अच्छी पारियां खेली हैं। इसके साथ ही जरुरत पड़ने पर टीम की कप्तानी भी की है। पूरन ने वेस्टइंडीज की ओर से लंबे समय तक खेला है पर एक समय ऐसा भी था जब एक हादसे में उनके दोनो ही पैरों में फ्रैक्चर हो गया था। इसके बाद उन्हें डॉक्टरों ने खेल छोड़ने को कहा था। ये वाकया साल 2015 का है तब पूरन 19 साल के थे। पैर फ्रैक्चर होने के कारण वह करीब 18 महीने तक मैदान से दूर रहे थे। ऐसे कठिन समय पर गर्लफ्रेंड एलिसा ने उनका हौंसला बढ़ाया। एलिसा के सहयोग से पूरन का मनोबल बढ़ा और वह ठीक होने लगे। पूरन ने खुलासा सोशल मीडिया में किया था। पूरन ने साल 2020 में एलिसा से शादी की। इसके बाद उनका करियर तेजी से आगे बढ़ने लगा। इस सत्र में पूरन ने लखनऊ की ओर से अच्छा प्रदर्शन करते हुए 6 मैचों में 223 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 74 नाबाद रहा है।

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड का मैच 2 गेंद बाद ही खत्म

- दोनों देशों के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जानी है

रावलपिंडी (एजेंसी)। टी20 विश्व कप पहले पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की टीम 5 मैचों की टी20 सीरीज खेल रही हैं। न्यूजीलैंड के टॉप खिलाड़ी इस समय भारत में आईपीएल खेल रहे हैं। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही टी20 सीरीज का पहला मैच सिर्फ 2 गेंद में ही खत्म हो गया। मुकाबले को पूरा नहीं कराया जा सका जिसके बाद दूसरे मैच को लेकर भी लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट टीम बाबर आजम के नेतृत्व में खेलने उतरी है। दोनों देशों के बीच रावलपिंडी में तीन मुकाबले खेले जाना है। सीरीज के आखिरी दो मैच लाहौर में खेले जाएंगे। रावलपिंडी में टी20 सीरीज का

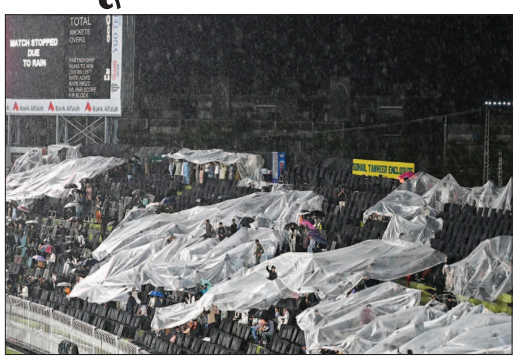

पहला मैच होना था लेकिन फैंस को निराशा हाथ लगी। बारिश की वजह से मुकाबले में सिर्फ 2 गेंद ही डाली जा सकी। अब दूसरे मुकाबले में मौसम कैसा रहेगा सबकी नजरें इस पर टिकी हैं।

रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला होगा। यह मैच 20 अप्रैल शनिवार को भारतीय समय के मुताबिक रात 8 बजे से शुरू होगा। यहां सुबह बारिश की आशंका जताई गई है लेकिन मैच के समय आसमान साफ रहेगा। पूर्वानुमान के मुताबिक बरसात की आशंका नही है। बता दें पाकिस्तान के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड के कप्तान माइकल ब्रेसवेल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी थी। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में महज 2 गेंद ही फेंकी जा सकीं। पहला ओवर शाहीन शाह अफरीदी करने आए और दूसरी बॉल पर ही विकेट चटका दिया। टॉम रॉबिन्सन बिना खाता खोले बोल्ड होकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद बारिश के कारण आगे मैच नहीं खेला जा सका और इसे रद्द कर दिया गया।

सीएसके और लखनऊ दोनों की अंकतालिका में कायम

मुंबई । लखनऊ सुपर जाइंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में 8 विकेट से जीत दर्ज की। सीएसके की हार के बाद भी टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर कायम है, जबकि केएल राहुल की टीम भी पांचवें स्थान पर बनी हुई है। सीएसके और लखनऊ दोनों ने 7-7 मैच खेलकर 3 में हार और 4 में जीत दर्ज करते हुए 8 अंक हासिल किए हैं। लेकिन नेट रन रेट के कारण दोनों टीमें अंक तालिका में अलग-अलग स्थान पर हैं। सीएसके को हार से तालिका में भले ही कोई फर्क ना पड़ा हो लेकिन उनका नेट रन रेट गिरा है, जबकि लखनऊ के नेट रन रेट में सुधार हुआ है। सीएसके का नेट रन रेट +0.726 से 0.529 पर पहुंच गया है जबकि लखनऊ का नेट रन रेट +0.038 से 0.123 हो गया है। अंक तालिका में शीर्ष पर राजस्थान रॉयल्स है, जिसने सात मैचों में छह जीत हासिल की हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स छह मैचों में चार जीत के साथ दूसरे स्थान पर है। इसके अलावा शीर्ष चार में सनराइजर्स हैदराबाद 8 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। अंक तालिका में सबसे नीचे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु है, जिसने अपने अभियान के बीच में केवल एक मैच जीता है। राजस्थान, केकेआर, सीएसके और हैदराबाद चार टीमें हैं जो वर्तमान में शीर्ष चार में हैं। शीर्ष चार टीमें आईपीएल 2024 प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करेंगी। शीर्ष दो टीमें पहले क्वालीफायर में खेलेंगी और विजेता सीधे फाइनल में पहुंचेगा। एलिमिनेटर उन टीमों के बीच खेला जाएगा जो आईपीएल 2024 स्टैंडिंग में तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। एलिमिनेटर का विजेता क्वालीफायर 1 की हारने वाली टीम से भिड़ेगा। क्वालीफायर 2 का विजेता फाइनल में प्रवेश करेगा जो 26 मई को होगा।

लड़कियों को खेलों में बढावा दें, वे चेहरे पर मुस्कान लायेंगी : सचिन तेंदुलकर

रांची। चैम्पियन क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने अभिभावकों से लड़कियों को खेलों में उतरने के लिये प्रोत्साहित करने का अनुरोध करते हुए कहा कि वे उनके चेहरों पर मुस्कुराहटें लायेंगी। तेंदुलकर और उनकी पत्नी अंजलि यहां युवा फाउंडेशन की फुटबॉल खिलाड़ी लड़कियों की हौसलाअफजाई के लिये आये हैं। युवा और सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन मिलकर लड़कियों को फुटबॉल का प्रशिक्षण देते हैं। तेंदुलकर और अंजलि ने फुटबॉल खिलाड़ियों से बात भी की। तेंदुलकर ने कहा,'' बच्चों की ऊर्जा संक्रामक होती है। मैने उन्हें कड़ी मेहनत करते और खेल का मजा लेते देखा तो मुझे अपना बचपन याद आ गया।''उन्होंने कहा,'' मैं कई बच्चों से प्रेरणा लेता हूं क्योंकि उनके लिये यह सफर आसान नहीं था। उनके जीवन में भी कई दुश्वारियां हैं। कई बार उनका फुटबॉल खेलना माता पिता को पसंद नहीं आता। मैं उनसे अनुरोध करूंगा कि बच्चों को प्रोत्साहित करें। ये बच्चे उनके चेहरे पर मुस्कान लायेंगे।

इंडिय के लिए खेलने का सपना नहीं छोड़ा, टी20 विश्व कप खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हूं: कार्तिक

कोलकाता (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में शानदार फॉर्म में चल रहे अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने भारत के लिए फिर से खेलने के अपने सपने को नहीं छोड़ा है और टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह बनाने के लिए वह वो सबकुछ करेंगे जो वह कर सकते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्टइंडीज में एक जून से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप तक कार्तिक 39 साल के हो जायेंगे।

वह 2022 में आस्ट्रेलिया में टी20 अंतरराष्ट्रीय विश्व कप के अंतिम चरण का भी हिस्सा थे जो भारतीय टीम के लिए उनका अंतिम टूर्नामेंट था। तब से वह क्रिकेट विशेषज्ञ बन गये हैं और कमेंट्री भी करने लगे हैं। आईपीएल के इस सत्र में वापसी करते हुए वह अपनी बल्लेबाजी को नये स्तर तक ले गये हैं और 205 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में वह विराट कोहली (361) और कप्तान फाफ डुप्लेसी (232) के बाद 226 रन से टीम के तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ होने वाले मैच की पूर्व संध्या पर उन्होंने कहा, ''अपने जीवन के इस पड़ाव में मेरे लिए भारत का प्रतिनिधित्व करना शानदार अहसास होगा। मैं ऐसा करने के लिए बेताब हूं। इस टी20 विश्व कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के अलावा मेरी जिंदगी में इससे बड़ा कुछ नहीं होगा। '' कार्तिक भी दावेदार के रूप में सामने आ रहे हैं तो विकेटकीपर के स्थान के लिए काफी प्रतिस्पर्धा होगी जिसमें भारतीय टीम ज्यादा से ज्यादा दो खिलाड़ियों को चुन सकती है।

कार दुर्घटना के बाद वापसी करने वाले ऋषभ पंत ने भी दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करते हुए सकारात्मक जज्बा दिखाया है। संजू सैमसन (राजस्थान रॉयल्स), ईशान किशन (मुंबई इंडियंस), केएल राहुल (लखनऊ सुपर जायंट्स) भी विकेटकीपर बल्लेबाज की दौड़ में शामिल हैं। कार्तिक ने कहा कि कोच राहुल द्रविड़, कप्तान रोहित शर्मा और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर 'बिग थ्री' जो भी फैसला करेंगे, वह उसका सम्मान करेंगे।

उन्होंने कहा, ''मुझे यह भी लगता है कि तीन बहुत ही बेहतरीन लोग राहुल द्रविड़, रोहित शर्मा और अजीत अगरकर हैं जो फैसला करेंगे कि विश्व कप के लिए सर्वश्रेष्ठ भारतीय टीम क्या होनी चाहिये। '' कार्तिक ने कहा, ''और मैं पूरी तरह से उनके साथ हूं। मैं उनके किसी भी फैसले का सम्मान करता हूं। लेकिन मैं बस इतना कह सकता हूं कि मैं शत प्रतिशत तैयार हूं और मैं विश्व कप के लिए टीम में शामिल होने के लिए हर संभव कोशिश करूंगा।

लखनऊ-चेन्नई कप्तानों पर बीसीसीआई ने लगाया 12 लाख का जुर्माना

- केएल राहुल और रितुराज गायकवाड़ को मिली गलती की सजा

लखनऊ,(ईएमएस)। लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में शुक्रवार को आईपीएल 2024 का 34वां मैच लखनऊ सुपरजायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला गया इसमें लखनऊ ने चेन्नई पर आसान जीत हासिल की। इस मैच में कुछ ऐसा हुआ कि बीसीसीआई ने दोनों टीमों के कप्तानों पर तगड़ा जुर्माना लगाया है। लखनऊ-चेन्नई ने मैच में दर्शकों को खूब आनंद आया है दोंनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से स्टेडियम में मौजूद अपने फैन्स को खुश कर दिया लेकिन वहीं भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) नाराज हो गया। बीसीसीआई के नाराज होने की वजह थी दोनों टीमों की ओर से स्लो ओवर डालना। जिसके चलते बीसीसीआई ने दोनों टीमों के कप्तानों केएल राहुल और चेन्नई के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर स्लो ओवर रेट के चलते 12 लाख का जुर्माना ठोका है। आईपीएल की आचार संहिता के तहत दोनों कप्तानों की टीमों का सीजन का पहला अपराध था। इसलिए उन पर 12 लाख का जुर्माना लगाया गया है। केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर भी स्लो ओवर रेट के चलते इस सीजन जुर्माना लग चुका है। लखनऊ सुपर जायंट्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 176 रन बनाए। चेन्नई की तरफ से सर्वाधिक 57 रन रविंद्र जडेजा ने बनाए। उनके अलावा एमएस धोनी ने 311 के तूफानी स्ट्राइक रेट से 9 गेंद में नाबाद 28 रन ठोके। अजिंक्य रहाणे ने भी 36 रन की अच्छी पारी खेली। लखनऊ की तरफ से सर्वाधिक 2 विकेट क्रुणाल पंड्या ने लिए। मोहसिन खान, यश ठाकुर, रवि बिश्नोई और मार्कस स्टोयनिस को एक-एक विकेट लेने में सफलता हासिल की। 177 रन का टारगेट को पूरा करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स ने बड़ी आसानी के साथ 19 ओवर में 8 विकेट रहते चेज कर लिया। लखनऊ के लिए कप्तान राहुल और डि कॉक ने मैच विनिंग पारी खेली। केएल राहुल ने 9 चौके और 3 छक्के की मदद से 53 गेंद में 82 रन बनाए। वहीं डि कॉक ने 43 बॉल में 54 रन की पारी खेली। पूरन ने भी 23 रन की नाबाद पारी खेली। चेन्नई की ओर से मथीषा पथिराना औप मुस्ताफिजुर रहमान को 1-1 सफलता मिली। इस पूरे मैच में दोनों टीमों की ओर से स्लो ओवर डाले गए जिससे बीसीसीआई ने दोनों टीमों के कप्तान पर फाइन लगाया है।

मतदान के समय लू के दौरान लोगों को ठंड से बचाने के लिए मेडिकल किट और आवश्यक उपकरणों के साथ तैयार रहने के सुझाव

सूरत । गर्मी के मौसम में लू के कारण स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव से बचने और अन्य आवश्यक व्यवस्था करने के लिए सूरत जिले के मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल पटेल की अध्यक्षता में एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस सम्मेलन में सभी सामूहिक स्वास्थ्य केंद्रों के अधीक्षक, सभी तालुका स्वास्थ्य अधिकारी और सूरत जिले के सभी चिकित्सा अधिकारी उपस्थित थे।

डॉ. अनिल पटेल ने तालुका स्वास्थ्य अधिकारियों और जिले की सभी स्वास्थ्य प्रणालियों को जनता को लू से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए. ईएमओ श्री सूरत एवं महामारी विशेषज्ञ श्री द्वारा उपस्थित सभी स्वास्थ्य अधिकारियों को गर्मी से जनता को सुरक्षित रखने हेतु आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिये गये। इसके अलावा चुनाव मतदान के दौरान लू के दौरान मेडिकल किट एवं आवश्यक उपकरण सामग्री अपने पास रखने के संबंध में भी स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिये गये. सूरत जिले की पंचायत ने हीट वेव, लू (हीट स्ट्रोक) से बचने के लिए एहतियाती कदम उठाने को कहा। आवश्यक दवाओं, उपकरणों की मात्रा की समीक्षा कर लू की स्थिति से निपटने का अनुरोध किया गया. इस संबंध में सभी संबंधित तैयारियां करने के लिए जिला पंचायत परिसर कैंटीन में एक ओआरएस कॉर्नर स्थापित किया गया है। साथ ही इसे लोगों के लिए उपयोगी बनाने की भी जानकारी दी गई है।

अखंड राष्ट्रीय संकल्प सेना द्वारा विशाल भव्य शोभा यात्रा निकला गया

सुरत भुमि, सूरत। सूरत डिंडोली के सुमुख सर्कल के पास नुक्कड़ वाली चाय के पास से अखंड राष्ट्रीय संकल्प सेवा द्वारा श्री रामनवमी के अवसर पर विशाल शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अयोध्या से पधारे हुए परम पूज्य राजू दास महाराज महंत हनुमानगढ़ी अयोध्या धाम और परम पूज्य श्री आंजनेय दास जी महाराज उपस्थित हुए और विशाल शोभायात्रा में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर हजारों की संख्या में लोगों ने भगवान श्री राम के जय घोष के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई । विस्तार गणमान्य लोगों की उपस्थिति में यात्रा को आगे बढ़ाया गया कार्यक्रम के आयोजन अखंड राष्ट्रीय संकल्प सेना के पदाधिकारी उमेश तिवारी, संजय तिवारी, साहिल तिवारी, नवनीत पांडे, विनायक पांडे ,अंकित पांडे, मनीष उपाध्याय, आशीष उपाध्याय, रोशन तिवारी, शिवम दुबे तथा तमाम कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर भव्य रैली का आयोजन किया गया। उमेश तिवारी ने बताया कि बड़े निवेदन के बाद अयोध्या से सूरत चलकर आए हनुमानगढ़ी के महंत श्री राजू दास जी महाराज एवं श्री आंजनेय दास महाराज जिनका आशीर्वाद हम सभी को प्राप्त हुआ।

नवसारी कांग्रेस उम्मीदवार नैषद देसाई ने नामांकन दाखिल किया

सूरत। लोकसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी जोर-शोर से प्रचार कर रहे हैं। तीसरे चरण में गुजरात की 26 लोकसभा सीटों पर 7 मई को मतदान होगा, जिसके लिए आज शुक्रवार 19 अप्रेल नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख थी। ऐसे में कांग्रेस उम्मीदवार नैषद देसाई ने आज नामांकन पत्र दाखिल किया और अपनी उम्मीदवारी दर्ज कराई।

सूरत के गांधीवादी परिवार से आने वाले नैषद देसाई को नवसारी लोकसभा के लिए कांग्रेस का उम्मीदवार घोषित किया गया है। उन्होंने अगली पीढ़ी को गांधीजी के मूल्यों पर चलने के लिए प्रेरित करने के लिए गांधीजी वेश धारण किया हैं। नवसारी शहर के जूनाथाना में उन्होंने श्री इंदिरा गांधी और स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और पैदल ही नामांकन दाखिल करने गये। इसके साथ ही बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता-कार्यकर्ता और लोग शामिल हुए। नवसारी कलेक्टर कार्यालय विजयमुर्हत में नामांकन फॉर्म भरा गया। देसाई ने कहा कि स्वतंत्रता और समानता स्थापित करने के लिए संविधान की रक्षा करने और महात्मा गांधी के प्रचार को नई पीढ़ी तक फैलाने के लिए उन्होंने बापू की विचारधारा के आधार पर वेश धारण किया है। उन्होंने युवा पीढ़ी से सत्ता के आतंक के खिलाफ आंदोलन करने के लिए सत्याग्रह करने की भी अपील।

भगवान के वचनों पर अटूट विश्वास का अर्थ है आत्म-मार्गदर्शन: आचार्य जिनसुंदरसूरीश्वरजी महाराजा

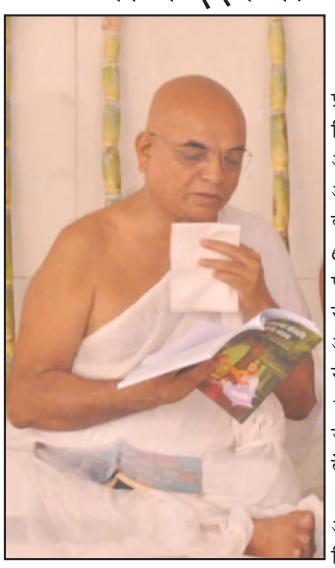

सूरत । श्री भरूच जैन तीर्थ के प्रांगण में प्रभावशाली पूज्यपाद आचार्यदेव श्री जिनसुंदरसूरीश्वरजी महाराज ने कहा कि आज नवपदजी का छठा दिन है जिसका अर्थ है दर्शनवाद। इस दिन 67 लोगस्स का काउसग्ग, 67 साथिया, 67 प्रदक्षिणा, 67 खमासमना और च्ह्वी नमो दंसणस्सज्ज पद की 20 माला की पूजा की जाती है। सम्यग्दर्शन का अर्थ है देव-गुरु धर्म में अटूट विश्वास। ईश्वर की बात में कोई संदेह न रहे, मेरे प्रभु ने जो कहा है वह 110 प्रतिशत सत्य है।यह गुण व्यक्ति के जीवन में आता है। इसमें 5 चीजें दिखाई देती हैं।

(1) शम- भले ही आपकी गलती न हो और सामने वाले ने 100 प्रतिशत अपराध किया हो, आपके मन में गुस्सा या द्वेष नहीं दिखना चाहिए। यह आत्म मार्गदर्शन के आगमन का बाह्य संकेत है। मुंबई के एक श्रावक के 26 लाख रुपए एक पक्ष ने दबा लिए, लेकिन उस श्रावक को सामने वाले का दोष नजर नहीं आया, उसके मन में उसके प्रति लेशमात्र भी नफरत नहीं थी, बल्कि च्यह मेरे ही कर्म का फल हैज्ज कहकर समझौता कर लिया। इसे कहते हैं शम।

2) संवेग - मोक्ष प्राप्त करने की तीव्र इच्छा "मैं शाश्वत सुख कब प्राप्त कर पाऊंगा।" अगर लगातार इसी इच्छा में मन लगा रहता है तो समझ लें कि आत्म दर्शन का गुण प्रकट हो गया है।

(3) निर्वेद- अर्थात कसायो। ऐसे प्राणी को संसार की कोई भी वस्तु अच्छी नहीं लगती। पत्नी-पुत्र-धन आदि सभी का संबंध स्वार्थ से है। यहाँ तक कि जो खुशी दिखाई देती है वह भी स्वार्थ से भरी होती है। वह स्पष्ट रूप से ऐसा मानता है और उसका सांसारिक जीवन में अच्छाई नहीं दिखती है।

(4) अनुकम्पा - दुःखी प्राणियों को देखकर ऐसे प्राणियों का हृदय पिघल जाता है। ऐसे प्राणियों के दुःख कैसे दूर करें? वे ऐसी कीमतों पर खेल रहे हैं. और यदि स्वयं की उपयुक्तता हो तो व्यक्ति दूसरों के दुःख दूर किये बिना नहीं रह सकता, यही करुणा का लक्षण है।

(5) आस्किय - मेरे रब ने जो कहा है वह सच है। चाहे वह मेरे मन में फिट हो या न हो, यह वही है जो मेरे भगवान ने कहा है, और जो कुछ भी है, चाहे वह मेरे मन में फिट बैठता है या नहीं, यह वही है जो मेरे भगवान ने कहा है, और जो कुछ भी है वह मेरे मन में फिट नहीं बैठता है। यह मेरी बुद्धि की कमी है. या मेरी समझ की कमी. इस प्रकार के आत्म मार्गदर्शन से जीवन में ये 5 गुण प्रकट होते हैं।

हनुमान जन्मोत्सव पर होगा संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ 23 को

सूरत। शहर के वेसू केनाल रोड पर स्थित शान्तम हॉल में हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में मंगलवार 23 अप्रेल को संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन किया जाएगा। श्री आदर्श रामलीला ट्रस्ट के अध्यक्ष रतन गोयल ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में अनिल शास्त्री महाराज की मधुरवाणी द्वारा संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ मंगलवार 23 अप्रेल को शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक किया जाएगा। इस अवसर पर आलौकिक श्रृंगार, आलौकिक दरबार, ज्योत और महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। ट्रस्ट सदस्यों ने सभी भक्तों से सुंदरकाण्ड पाठ में शामिल होने का आग्रह किया है।

ब्रिजस्टोन इंडिया ने प्रीमियम यात्री वाहनों के लिए TURANZA 6i नया प्रीमियम टायर पेश किया

नई दिल्ली । ब्रिजस्टोन इंडिया ने आज यात्री वाहन के लिए ब्रिजस्टोन TURANZA 6i टायर लॉन्च किया। TURANZA 6i पैसेंजर रेडियल व्यवसाय में पहले घोषित विस्तार का परिणाम है। यह टायर विशेष रूप से भारतीय सड़कों के लिए विकसित किया गया है, जो बेहतर ईंधन दक्षता और टिकाऊपन के साथ प्रीमियम आरामदायक सवारी अनुभव प्रदान करता है, जो इसे ब्रिजस्टोन की ओर से एक संपूर्ण प्रीमियम पेशकश बनाता है।

ब्रिजस्टोन इंडिया के चीफ कमर्शियल अफसर राजर्षि मोइत्रा ने कहा, "ब्रिजस्टोन विश्व स्तर पर टायर प्रौद्योगिकी में सबसे आगे रहा है, और अब इसे यात्री कार में हमारी नई पेशकश के माध्यम से भारत में प्रदर्शित किया गया है।", "TURANZA 6i हमारी प्रतिबद्धता का परिणाम है।" ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता के माध्यम से प्रीमियम सुविधा प्रदान करने की दिशा में। प्रीमियम वाहन वर्ग की पूर्ति के लिए, TURANZA 6i पूरे भारत में हमारे प्रीमियम आउटलेट्स में उपलब्ध होगा।

ब्रिजस्टोन TURANZA 6i 14 इंच से 20 इंच तक के 36 SK (स्टॉक कीपिंग यूनिट) में उपलब्ध है। यह एसयूवी, सेडान, हैचबैक और सीयूवी को कवर करने वाले प्रीमियम वाहनों के लिए है। प्रीमियम वाहनों के लिए इस नए प्रीमियम टायर का लॉन्च सरकार की "मेक इन इंडिया" पहल के प्रति ब्रिजस्टोन की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस लॉन्च के साथ, ब्रिजस्टोन भारत में अपनी वैश्विक स्वामित्व वाली ENLITEN तकनीक लेकर आया है, जो बाजार की बढ़ती नई जरूरतों के अनुसार एक अद्वितीय मूल्य प्रस्ताव प्रदान करके भारतीय उपभोक्ताओं के लिए आवश्यक आधार प्रदर्शन मापदंडों को भी बढ़ाती है। TURANZA 6i, ENLITEN तकनीक के साथ, ईंधन दक्षता और पहनने के जीवन को बढ़ाते हुए, एक सहज और काफी आरामदायक सवारी के माध्यम से प्रीमियम आरामदायक सवारी अनुभव प्रदान करता है। यह TURANZA 6i को समझदार उपयोगकर्ताओं के लिए "सड़क पर सबसे आरामदायक सीट" बनाता है।

TURANZA 6i कम शोर, बेहतर ईंधन दक्षता और बेहतर घिसावट जीवन के माध्यम से सामान्य प्रदर्शन मांगों और इलेक्ट्रिक वाहनों की विशिष्ट आवश्यकताओं दोनों को पूरा करता है।

"TURANZA 6i तेजी से बढ़ते भारतीय बाजार के लिए सर्वोत्तम तकनीक की पेशकश करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह भारतीय गतिशीलता क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी टायर प्रौद्योगिकियों को लाने की हमारी योजनाबद्ध निवेश रणनीति की सफलता है, "ब्रिजस्टोन इंडिया के प्रबंध निदेशक श्री हिरोशी योशिज़ेन ने कहा।

अमदावाद रिवर फ्रंट के उपर बनी अध्यात्म नगरी में 35 जैन दीक्षा के ऐतिहासिक उत्सव के लिए 400 से अधिक साधु-साध्वीजीओं का भव्य प्रवेश

अहमदाबाद । 15 आचार्य भगवंतों, साधु भगवंतों और साध्वीजी भगवंतों के अलावा 35 मुमुक्षुओं और उनके परिवारों ने अमदावाद शहर के सदियों पुराने इतिहास में पहली बार आयोजित 35 दीक्षा के महोत्सव के लिये आज भव्य सामैया के साथ नदी तट पर बने भव्य आध्यात्मिक नगर में प्रवेश किया।

जब उनकी शोभायात्रा सुविधा चार रास्ते से शुरू हुई और प्रीतम नगर अखाड़े से होते हुए साबरमती रिवर फ्रंट तक पहुंची, तब12 गजराजों पर बैठे मुमुक्षुओं ने भी अध्यात्म नगरी में प्रवेश किया, ।

रिवर फ्रंट पर भव्य आध्यात्मिक शहर तैयार करने के लिए 1,000 से अधिक कारीगर और मजदूर दिन-रात काम कर रहे थे। अध्यात्म नगरी में लगभग 10,000 वर्ग फुट के भव्य महल जैसे जिनमंदिर में 23वें तीर्थंकर श्री सहस्त्रफना पार्श्वनाथ भगवान की एक नयनरम्य मूर्ति बिराजमान की गयी है।

अध्यात्म नगरी में लगभग 90,000 वर्ग फुट क्षेत्र में एक भव्य सभा भवन का निर्माण किया गया है, जिसमें लगभग 25,000 भक्त बैठकर दीक्षा समारोह का आनंद ले सकते हैं।

अध्यात्म नगरी में लगभग 3,00,000 वर्ग फुट के क्षेत्र में एक डाइनिंग हॉल डिजाइन किया गया है, जिसमें 3,200 लोग एक पंक्ति में बैठ सकते हैं।अध्यात्म नगरी में पहली बार नारकी को जीवंत रूप से बनायी गयी है, जहांपरमाधामी देवता नरक के प्राणियों पर किस प्रकार अत्याचार करते हैं, इसके सजीव दृश्य दिखाये गये हैं।

अध्यात्म नगरी में एक भव्य थिएटर का निर्माण किया गया है, जिसमें जैन शासन की वीर गाथाओं को लघु नाटकों के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। अध्यात्म नगरी में एक पुस्तक मेला खोला गया है, जहां जैन धर्म के दर्शन पर लिखित पुस्तकें नि:शुल्क वितरित की जाएंगी।

हीरा उद्योग के सीएसआर प्रयासों का उद्योग पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है

सूरत । आधुनिक प्राकृतिक हीरा उद्योग जिम्मेदार कदम उठाकर बेहतर कल के लिए एक स्थायी वातावरण के लिए प्रतिबद्ध है जिसका सीधा प्रभाव पड़ेगा और उद्योग भागीदार अपने संरक्षण प्रयासों के प्रभाव को उजागर करेंगे।

रोज़ी ब्लू ने 'रोज़ी ब्लू गोइंग ग्रीन' नामक एक शक्तिशाली रणनीति विकसित की है जो ऊर्जा प्रबंधन और उनके समग्र कार्बन पदचिह्न में कटौती पर केंद्रित है और वे 2030 तक 1.5 डिग्री सेल्सियस मार्ग के अनुसार अपने जीएचजी उत्सर्जन को कम करने के लिए काम कर रहे हैं। शिवम ज्वेल्स CO_2 को कम करता है। सालाना 1,100 टन उत्सर्जन, 12,876 पेड़ों को बचाने के बराबर, प्राकृतिक संसाधन संरक्षण के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ज्वैलएक्स की आभूषण इकाइयां 2021 से कार्बन न्यूट्रल हैं और उनका लक्ष्य अपने व्यापक स्थिरता उद्देश्यों के अनुरूप, 2024/25 तक इसे अपने वैश्विक समूह में विस्तारित करना है।

ज्वेलेक्स आंशिक रूप से अपनी स्वयं की पवन चक्कियों के साथ-साथ छत पर लगे सौर पैनलों से उत्पन्न हरित ऊर्जा का उपयोग करता है और जनवरी 2023 तक, 100% नवीकरणीय ऊर्जा पर काम करता है। डायनको अपने पदचिह्न को कम करने और जलवायु-सकारात्मक बनने के लिए दो बिक्री कार्यालयों और एक कारखाने के लिए कार्बन उत्सर्जन की गणना कर रहा है, साथ ही कंपनी और ग्राहकों दोनों के लिए उत्सर्जन को कम करने में मदद करने के लिए प्रौद्योगिकियों की खोज भी कर रहा है। प्राकृतिक जल संसाधनों को बहाल करने, जल स्तर बढ़ाने और 158 मिलियन लीटर वर्षा जल का संचयन करके बनासकांठा क्षेत्र के 150 गांवों में स्थानीय किसानों का समर्थन करने के लिए डायरो की 3 साल की प्रतिबद्धता है।

फोनपे के शेयर.मार्केट ने इंटेलिजेंस पर फोकस के साथ फ्यूचर्स और ऑप्शंस सेगमेंट पेश किया

शेयर.मार्केट, फोनपे का प्रॉडक्ट है, जिसने आज अपने फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (F&O) सेगमेंट के लॉन्च की घोषणा की है। इस नए सेगमेंट की मदद से, ट्रेडर्स को कॉम्प्रेहेंसिव ट्रेडिंग टूल और संसाधनों से बेहतर सुविधाएँ देने में प्लेटफॉर्म के मिशन में बड़ी उपलब्धि है। यह, इंटेलिजेंस लेयर पर पूरा ध्यान देने के साथ-साथ ट्रेडिंग के अनुभव को बेहतर बनाएगा।

F&O के लॉन्च के बारे में बात करते हुए, शेयर.मार्केट के CEO उज्जवल जैन ने कहा, कि"जैसे-जैसे निवेशक और ट्रेडर ने बेहतर निवेश और ट्रेड करने के लिए खुद को सशक्त बनाया है, शेयर.मार्केट भी इंटेलिजेंस की मदद से काम करने वाले डिस्काउंट ब्रोकिंग को आगे बढ़ाने के लिए महत्वाकांक्षी कदम उठाने में सक्षम हो गया है।" उन्होंने आगे कहा, "हमारे प्लेटफॉर्म पर फ्यूचर्स और ऑप्शंस ट्रेडिंग के लॉन्च के साथ, हम अपनी सुविधाओं को बढ़ा रहे हैं। यह और भी निवेशकों और ट्रेडर को मौजूदा गतिशील फाइनेंशियल मार्केट के लिए ज़रूरी टूल और संसाधनों के साथ सशक्त बनाने के हमारे प्रयासों को और मजबूत करेगा।"

बिजनेस लांच करने के सात महीनों के भीतर, शेयर.मार्केट के अब तक कुल 1.55रू से ज़्यादा लाइफटाइम ग्राहक हैं और इस पर हर महीने 1.4रू एक्टिव MF SIP लेनदेन किए जाते हैं।इसके अलावा, शेयर.मार्केट ने 75,000 से ज़्यादा (दैनिक ऐप इंगेजमेंट) यूजर और 1.5रु डीमैट खातों को इंटेलिजेंस की सुविधा दी है।

शेयर.मार्केट पर स्र×ह का विकल्प चालू करने से, कॉम्प्रिहेंसिव ऑप्शन चेन ऐनलिसेस के साथ प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध सुविधाएँ भी बढ़ जाती हैं। फ्यूचर और ऑप्शन कॉन्ट्रेक्ट कई इंडिसिस और स्टॉक्स में निवेशक और ट्रेडर को प्रभावशाली पोर्टफोलियो मैनेजमेंट के ज़रिए जोखिम से बचाता है, हेज पॉजिशन रखता है, और पूरी रिटर्न प्रोफ़ाइल को बेहतर बनाता है। बेहतर इंटेलिजेंस उपलब्ध कराने के लिए, असरदार मनी मैनेजमेंट के साथ ग्रीक के मुताबिक ट्रेडर के हिसाब से बनाए गए डेटा पॉइंट और रणनीति बनाने की सुविधा भी दी जाएगी।

F&O के साथ आपको ये खास सुविधाएँ मिलती हैं:

मजबूत ट्रेडिंग इंटरफ़ेस: ट्रेडिंग प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया यूजर-फ्रेंडली इंटरफ़ेस है, जो ट्रेडर को F&O ट्रेड को आसानी और कुशलता के साथ पूरा करने में मदद कराता है। ऑर्डर ट्रैक और मैनेज करने से जुड़ी जोखिम प्रबंधन क्षमताओं में राशि का सही तरह से आवंटन और समय पर एग्जिट शामिल हैं।

लगातार विकसित हो रहे इंटेलिजेंस की लेयर: मैक्स पेन, पुट कॉल रेशियो (PCR) और ओपन इंटरेस्ट (OI) के बदलानों के आसान विजुअलाइज़ेशन के साथ बेहतर ऑप्शन चेन , निजी फ्यूचर और ऑप्शन इंस्ट्रूमेंट की चार्टिंग की सुविधाएँ लॉन्च की गई है। रणनीति के एग्जीक्यूशन और मैनेजमेंट में हेजिंग, रणनीति बनाने के लिए मैकेनिक्स, बिल्डिंग ब्लॉक्स और भी कई सुविधाएं पाइपलाइन में हैं।

मार्जिन ट्रेडिंग के लिए लेवरेजिंग प्लेज-अनुभवी ट्रेडर के लिए, मौजूदा होल्डिंग्स को गिरवी रखकर कोलैटरल मार्जिन हासिल करने के लिए एक विकल्प है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)